

# कार्यसूची – 1

## कृषि विज्ञान केन्द्र का संक्षिप्त विवरण

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित तथा सरदार बल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मेरठ द्वारा संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र, मुरादाबाद की स्थापना 23 दिसम्बर 2004 को हुई थी। केन्द्र के लिए रूस्तमनगर कृषि फार्म का हस्तान्तरण मई 2005 में हुआ।

कृषि के क्षेत्र में कृषि विज्ञान केन्द्र नया मार्गदर्शन करने वाली विज्ञान आधारित ऐसी संस्था है जो कृषको, ग्रामीण युवाओं, कृषक महिलाओं तथा प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के साथ-साथ कृषकों के लिए उनके प्रक्षेत्र पर नई तकनीक का, स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप एवं किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को ध्यान में रखकर प्रदर्शन करना है तथा उपलब्ध तकनीक को स्थानीय परिवेश के अन्तर्गत किसानों की क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार अनुसंधान आधारित तकनीक में यदि सम्भव हो बदलाव करके उन्हें व्यावहारिक रूप प्रदान करना है, इसके अतिरिक्त केन्द्र स्थानीय कृषकों द्वारा समय-समय पर उठाई गयी तकनीकी समस्याओं का फीड-बैक विश्वविद्यालय मुख्यालय को देकर वहा चल रहे अनुसंधान कार्यों को भी सही दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## कृषि विज्ञान केन्द्र के उद्देश्य

- स्थान विशेष की समगतिशील भूमि उपयोग प्रणाली के रूप में उत्पादन प्रौद्योगिकी का अभिनिर्धारण करने हेतु कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रक्षेत्र परीक्षण आयोजित करना ।
- उत्पादन आंकड़ों तथा प्रति इकाई सूचनाओं को प्राप्त करने हेतु विभिन्न फसलों पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों का आयोजन ।
- फार्म पर उच्चतर उत्पादन एवं रोजगार उत्पन्न करने हेतु करके सीखने की पद्धति पर बल देते हुए किसानों तथा ग्रामीण युवकों के लिये कृषि तथा इससे सम्बद्ध व्यवसायों/पेशों में लघु एवं लम्बी अवधि के व्यवसायिक प्रशिक्षण आयोजित करना ।
- प्रसार कार्यकर्ताओं को कृषि अनुसंधान में हो रही प्रगति से नियमित रूप से अवगत कराने हेतु प्रशिक्षण आयोजित करना ।
- जनपद में कृषि अर्थव्यवस्था के सुधार हेतु कृषि तकनीकी संसाधन एवं ज्ञान के केन्द्र के रूप में कार्य करना ।

## कृषि भूमि क्षेत्रफल

- कुल भूमि क्षेत्रफल – 17.5 हे०
- भवन प्रदर्शन इकाई, थ्रेसिंग फ्लोर एवं स्टोर – 3.5 हे०  
बाउन्ड्रीवाल, नाली, रोड आदि
- फसल आच्छादन – 14.0 हे०

## केन्द्र पर भवन सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	बिल्डिंग का नाम	निर्माण की स्थिति
1.	प्रशासनिक भवन	पूर्ण
2.	किसान छात्रावास	पूर्ण
3.	स्टॉफ क्वार्टर (6)	पूर्ण
4.	प्रदर्शन इकाई	पूर्ण
5.	बाउन्ड्री वाल	पूर्ण
6.	थ्रेसिंग फ्लोर	पूर्ण
7.	स्टोर	पूर्ण
8.	सिंचाई नाली	पूर्ण

## वाहन –

- 1. बोलेरो गाड़ी – 1
- 2. मोटर साइकिल – 1
- 3. ट्रैक्टर – 1

## केन्द्र पर वर्तमान में कार्यरत स्टाफ

क्र. स.	स्वीकृत पद	अधिकारी / कर्मचारी का नाम	पद	विषय	योगदान की तिथि
1	वरि० वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष	डॉ० राम करण सिंह	प्राध्यापक एवं अध्यक्ष	कृषि प्रसार	14.10.2010
2	विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा०	डा० पी०एल०रावत	सहनिदेशक	उद्यान विज्ञान	25.01.1996
3	विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा०	श्री हसन तनवीर	विषय विशेषज्ञ	पादप प्रजनन	23.06.2008
4	विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा०	डा० अरविन्द कुमार	विषय विशेषज्ञ	फसल सुरक्षा	23.06.2008
5	विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा०	डा० मोहन सिंह	विषय विशेषज्ञ	मृदा विज्ञान	25.06.2008
6	विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहा० प्रा०	डा० ए०के० मिश्रा	विषय विशेषज्ञ	सस्य विज्ञान	09.07.2008
7	विषय वस्तु विशेषज्ञ	—	विषय विशेषज्ञ	पशु पालन / गृह विज्ञान	—
8	प्रशिक्षण सहायक	श्री रविन्द्र पाल सिंह	प्रशिक्षण सहायक	कृषि प्रसार	26.12.2008
9	फार्म मैनेजर	डॉ० हम्वीर सिंह	फार्म मैनेजर	पादप प्रजनन	18.08.2007
10	सहायक प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)	श्री नगेन्द्र प्रताप सिंह	कम्प्यूटर प्रोग्रामर	PGDCA	01.09.2007
11	कार्यालय अधीक्षक कम लेखाकार	श्री संजय कुमार शर्मा	कार्यालय अधीक्षक / लेखाकार	एकाउन्ट्स	18.09.2000
12	जूनियर स्टेनो कम कम्प्यूटर आपरेटर	श्री अजय तोमर	जूनियर स्टेनो कम कम्प्यूटर आपरेटर	—	30.07.2007
13	ड्राइवर कम मैकेनिक	श्री वीरेन्द्र कुमार मिश्रा	ड्राइवर	—	05.12.2003
14	ड्राइवर कम मैकेनिक	—	ड्राइवर	—	—
15	चतुर्थ श्रेणी	श्री राम किशोर	ग्रामीण कार्यकर्ता	—	09.01.1996
16	चतुर्थ श्रेणी	श्री सर्वेश कुमार	अटेन्डेन्ट	—	27.02.2008

— दो पद रिक्त

## मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता(2015-16)

क्र.स.	फसल	क्षेत्रफल (हे०)	उत्पादन (मी०टन)	उत्पादकता (कु०/हे०)
1	गेहूँ	121754	3755600	30.84
2	मसूर	1150	8550	7.43
3	सरसो	2534	25620	10.11
4	धान	94261	2201940	23.36
5	उर्द	5574	34280	6.15
6	गन्ना	54287	645.16	350.24
<b>8</b>	<b>फल</b>			
i.	आम (बाग)	2875	466520	162.27
ii.	अमरूद (बाग)	1185	353830	298.59
iii.	केला	41	19620	478.54
iv.	पपीता	20	8000	400.00
<b>9</b>	<b>सब्जियाँ</b>			
i.	आलू	1465	290380	198.21
ii.	प्याज	45	6790	150.89
iii.	बैंगन	445	152510	342.72
iv.	शकरकंद	442	58250	131.79
v.	गाजर	125	31070	248.56
vi.	लौकी	172	49690	288.89
vii.	तोरई	207	49770	240.43

सूचना स्रोत - कृषि विभाग, मुरादाबाद से संकलित

## मुख्य कार्य क्षेत्र –

क्र०.सं०.	फसल/उद्यम	प्रमुख क्षेत्र
1	धान/ गेहूँ	धान-गेहूँ पद्धति में समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन।
2	धान/ गेहूँ	धान-गेहूँ पद्धति में एकीकृत खरपतवार प्रबन्धन।
3	दलहन	खरीफ व रबी में दलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि करना।
4	तिलहन	खरीफ व रबी में तिलहनी फसलों के क्षेत्रफल में वृद्धि करना।
5	धान्य/दलहनी/तिलहनी फसलें	फसलों में एकीकृतनाशी जीव प्रबन्धन।
6	धान्य/दलहनी/तिलहनी फसलें	नवीन प्रजातियों को कृषकों में प्रोत्साहित करना।
7	बीज उत्पादन	विभिन्न फसलों के बीज उत्पादन को प्रोत्साहित करना।
8	आम	आम में पुराने बागों का जीर्णोधार करना।
9	अमरुद	अमरुद के बागों का प्रबन्धन।
10	सब्जी	सब्जियों की जैविक खेती को प्रोत्साहित करना।
11	दुग्ध उत्पादन	आम में वृद्धि करने वाली फसल को बढ़ावा देना।
12	मधुमक्खी पालन	मधुमक्खी पालन को प्रोत्साहित करना।
13	केंचुआ खाद	केंचुआ खाद बनाने को प्रोत्साहित करना।

## कार्यसूची – 2

### गतवर्ष बैठक की कार्यवाही की अनुपालन आख्या एवं पुष्टि

दिनांक 09 जनवरी, 2017 को केन्द्र पर आयोजित वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में लिये गये निर्णयों के अनुपालन में आख्या निम्नवत है :-

क्र०सं०	निर्णय	अनुपालन आख्या
1.	वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में सुझाव देने वाले मा० अध्यक्ष एवं सदस्य का नाम भी संस्तुति के साथ कार्यवृत्त में लिखा जाये ।	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा दिये गये सुझाव के अनुरूप कार्यवृत्त में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में सुझाव देने वाले मा० अध्यक्ष एवं सदस्य का नाम लिख दिया गया है ।
2.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा अन्य विभागों की गोष्ठी/कार्यक्रम में बिना अध्यक्ष की स्वीकृति के उपरान्त कोई भी वैज्ञानिक भाग न लेने का निर्देश दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप प्रत्येक वैज्ञानिक अन्य विभागों की गोष्ठी/कार्यक्रम में केन्द्र अध्यक्ष की स्वीकृति से ही भाग लेते हैं ।
3.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा सस्य विज्ञान में फसल अवशेष प्रबन्धन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये जाने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप फसल अवशेष प्रबन्धन पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया तथा जिसमें 20 कृषकों ने भाग लिया ।
4.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा सस्य विज्ञान में गन्ना + लहसुन सहफसली खेती पर ओ०एफ०टी० न आयोजित किये जाने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप कार्य योजना 2017-18 एवं 2018-19 में संशोधन कर लिया गया है ।
5.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा सस्य विज्ञान में धान में <b>Bispyri bac sodium weedicide</b> के प्रयोग पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन न आयोजित किये जाने का सुझाव दिया गया तथा कहा कि इस विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया जाये ।	सुझाव के अनुरूप धान फसल में खरपतवार प्रबन्धन पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 20 कृषकों को लाभान्वित किया गया ।
6.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा प्रसार कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षणों की सं० बढ़ाने का सुझाव दिया तथा कहा गया कि प्रत्येक विषय पर कम से कम 08 प्रशिक्षण वर्ष में आयोजित किये जाये ।	सुझाव के अनुरूप वर्ष 2017-18 में 18 प्रशिक्षण प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण प्रस्तावित थे तथा पुनः संशोधन कार्ययोजना 2017-18 में प्रशिक्षणों की सं० 18 से बढ़ाकर 25 कर ली गयी तथा वर्ष 2018-19 कार्ययोजना में प्रशिक्षणों की सं० 35 का लक्ष्य रखा गया है ।
7.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा ग्रामीण युवक/ युवतियों के प्रशिक्षण में वर्मी कम्पोस्ट विषय पर प्रशिक्षण केवल मृदा विज्ञान विषय के अन्तर्गत ही किये जाने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप कार्ययोजना में संशोधन कर लिया गया है ।
8.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा पादप प्रजनन वैज्ञानिक के केन्द्र पर वापस आने तक दलहन व धान बीज उत्पादन पर सस्य वैज्ञानिक द्वारा ग्रामीण युवक/ युवतियों हेतु प्रशिक्षण आयोजित किये जाने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप धान बीज उत्पादन तकनीकी पर एक प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 10 कृषक लाभान्वित हुये ।

9.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा मृदा विज्ञान विषय की ओ0एफ0टी0 में टी2 मृदा परीक्षण के आधार पर रखे जाने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप कार्य योजना में ओ0एफ0टी0 का समावेश कर लिया गया है ।
10.	जिला कृषि अधिकारी, मुरादाबाद द्वारा जिंक सल्फेट के स्थान पर अन्य कोई सूक्ष्म पोषक तत्व विषय पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित करने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप आगामी कार्ययोजना वर्ष 2018-19 में जिंक सल्फेट के स्थान पर गन्ना फसल में सल्फर के प्रयोग पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शन प्रस्तावित है ।
11.	निदेशक प्रसार महोदय द्वारा पादप सुरक्षा विषय में उर्द में मौजेक नियंत्रण के स्थान पर धान में प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित करने का सुझाव दिया गया ।	सुझाव के अनुरूप उर्द में मौजेक नियंत्रण के स्थान पर वर्ष 2017-18 में धान में भूरा फुदका कीट पर 10 कृषकों के यहाँ प्रथम पंक्ति प्रदर्शन आयोजित कराया गया ।

# कार्यसूची- 3

(अप्रैल 2017 से नवम्बर 2017 तक की प्रगति)

लक्ष्य एवं उपलब्धियों का प्रगति विवरण

प्रक्षेत्र परीक्षण				प्रथम पंक्ति प्रदर्शन			
1				2			
प्रक्षेत्र परीक्षण की संख्या		कृषकों की संख्या		प्रथम पंक्ति प्रदर्शन		प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)	
लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ
08	06	36	29	141	105	42.2	40.0

**एन०एफ०एस०एम० योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन प्रगति विवरण**

समूह दलहन प्रदर्शन			
1			
प्रथम पंक्ति प्रदर्शन		प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)	
लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ
126	126	50.4	50.4

	प्रशिक्षण (प्रायोजित प्रशिक्षण, आदि)				प्रसार गतिविधियां			
	3				4			
	प्रशिक्षण संख्या		लाभार्थी		गतिविधियाँ		लाभार्थी	
प्रशिक्षण का प्रकार	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ	लक्ष्य	उपलब्धियाँ
कृषक एवं कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं बाह्य परिसर पर)	71	65	1420	1300	800	751	10000	15008
रोजगार परक	09	05	90	50				
प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु	19	16	190	160				
प्रायोजित कार्यक्रम								
कुल योग	99	86	1700	1510		751		15008

बीज उत्पादन		पौध	
5		6	
लक्ष्य (कु0)	उपलब्धि(कु0)	लक्ष्य	उपलब्धियां
200	491.65	20000	100

### 3.1 प्रक्षेत्र परीक्षण (ऑन फार्म ट्रायल)

#### 1. फसलोत्पादन

1. विषय	धान फसल में खरपतवार नियंत्रण
2. त्रतु एवं वर्ष	खरीफ 2017
3. समस्या	धान फसल में खरपतवारों के कारण पैदापार में कमी
4. वर्गीकृत क्षेत्र	खरपतवार नियंत्रण
5. तकनीकी का नाम	क्वैरीम्यूरान + मैटसलफ्यूरान 20 डब्लूपी0 खरपतवारनाशी द्वारा धान फसल में खरपतवार नियंत्रण करना।
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
7. कृषक पद्धति – T <sub>1</sub>	कम प्रभावशाली दवा का प्रयोग करना।
8. वैज्ञानिक संस्तुत पद्धति – T <sub>2</sub>	क्वैरीम्यूरान + मैटसलफ्यूरान 20 डब्लूपी0 @ 20 ग्रा0/हे0
9. शोधित पद्धति, कोई भी –	
10. प्रजाति का नाम	पी0एच0बी0 – 71
11. अभिप्रयोगों की सं0 (ट्रायल)	05
12. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.12 प्रति प्रदर्शन (0.6 हे0)
13. रोपाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	19 जुलाई 2017 एवं 25–30 अक्टूबर 2017

#### प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	उपज में परिवर्तन (%)	मानक खपतवारो की सं0 मी0 <sup>2</sup>	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%) धान में खरपतवारों का प्रतिशत	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध लाभ (रू0/हे0)	लाभ व अनुपात
कृषक पद्धति	57.65	—	158	—	49700	89646	39946	1:1.80
वैज्ञानिक पद्धति	69.50	17.05	17	89.24	49850	108073	58223	1:2.17

## तकनीकी का फीडबैक

1. परिणाम से स्पष्ट है कि क्लवेरीम्यूरान + मैटसलफ्यूरान 20 डब्लूपी0 खरपतवारीनाशी प्रेटीलाक्लोर की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है ।
2. खरपतवारनाशी की सही समय पर प्रयोग करने से उपज में 17.05 प्रतिशत तथा शुद्ध लाभ में रू0 58223/- हे0 की कृषक पद्धति की अपेक्षा अधिक आय हुई ।

## तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

1. कृषकों ने क्लवेरीम्यूरान + मैटसलफ्यूरान 20 डब्लूपी0 का अधिक उपयोगी बताया ।
2. कृषक सहमत है कि क्लवेरीम्यूरान + मैटसलफ्यूरान 20 डब्लूपी0 प्रेटीलाक्लोर 50% की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है तथा सस्ता भी है ।
3. क्लवेरीम्यूरान + मैटसलफ्यूरान 20 डब्लूपी0 का सही समय पर पर्णीय छिडकाव करने में धान की उपज में 19.0% में वृद्धि हुई ।

## 2. मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ फसल में उर्वरकों की सही मात्रा का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	रबी 2016-17
3. समस्या	गेहूँ फसलों में उर्वरकों के असन्तुलित प्रयोग से कम उत्पादकता
4. विषय क्षेत्र	सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	जिंक सल्फेट 25 किग्रा0 प्रति हे0 का प्रयोग
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
7. कृषक पद्धति - T <sub>1</sub>	150:60:40:0 एन.पी.के. एवं जिंक सल्फेट किग्रा0/हे0
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T <sub>2</sub>	T <sub>1</sub> + जिंक सल्फेट 25किग्रा0/हे0
9. शोधित पद्धति, कोई भी -	
10. प्रजाति का नाम	सी.बी.डब्लू - 38
11. प्रदर्शन सं0 (ट्रायल)	05
12. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.40 प्रति प्रदर्शन (2.0 हे0)
13. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	22-26 दिसम्बर 2016 एवं कटाई 10-12 अप्रैल 2017

### प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रतिबाली में दानों की सं0	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु0/हे0)	सकल आय (रु0/हे0)	शुद्ध आय (रु0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति - T <sub>1</sub>	37.50	-	38.60	-	22800	61312	38512	1:1.52
वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T <sub>2</sub>	42.75	14	43.50	12.70	24378	69896	45518	1:2.86

### तकनीकी का फीडबैक

T<sub>2</sub> में 25 किग्रा0 जिंक सल्फेट बेसल में प्रयोग किया गया तथा T<sub>1</sub> के सापेक्ष T<sub>2</sub> की उपज में 14% अधिक वृद्धि रही ।

### तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

कृषक स्तर पर बुवाई के समय 25 किग्रा0 जिंक सल्फेट का प्रयोग किया जाये तो उपज में अधिक वृद्धि होगी ।

## 2. (क) मृदा विज्ञान (धान फसल)

1. शीर्षक	धान की फसल में मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों की विभिन्न मात्राओं का मूल्यांकन
2. त्रु एवं वर्ष	खरीफ – 2017
3. समस्या	धान फसल में उर्वरकों के असन्तुलित प्रयोग से कम उत्पादकता
4. विषय क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	मृदा परीक्षण आधारित उर्वरक प्रबन्धन
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि०वि०, मेरठ
7. कृषक पद्धति – T <sub>1</sub>	120:40:0:0 एन.पी.के. तथा जिंक सल्फेट प्रति हे०
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T <sub>2</sub>	मृदा परीक्षण के आधारित उर्वरक प्रबन्धन 158:60:52:25, एन.पी.के. तथा जिंक सल्फेट
9. शोधित पद्धति, कोई भी – T <sub>3</sub>	
10. प्रजाति का नाम	पूसा सुगन्ध – 1509
11. प्रदर्शन सं० (ट्रायल)	05
12. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.40 प्रति प्रदर्शन (2.0 हे०)
13. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	13–18 जुलाई 2017 तथा 25–28 अक्टूबर 2017

### प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रतिबाली में दानों की सं०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति – T <sub>1</sub>	42.85	–	65.80	–	54850	119980	68130	1:2.18
वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T <sub>2</sub>	48.81	13.90	75.30	22.35	57225	136680	79443	1:2.38

### तकनीकी का फीडबैक

T<sub>2</sub> में मृदा परीक्षण के आधार पर डी.ए.पी. तथा म्यूरेंट ऑफ पोटाश उर्वरकों का प्रयोग किया तथा T<sub>1</sub> के सापेक्ष T<sub>2</sub> की उपज में 13.90% की वृद्धि रही ।

### तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

कृषक स्तर पर मिट्टी की जाँच नहीं करायी जाती तथा अधिकांश कृषक असन्तुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करते हैं । मृदा परीक्षण के आधार पर यदि उर्वरकों का प्रयोग किया जाये तो उत्पादन में वृद्धि होती है तथा खर्च कम आता है ।

## 2. (ख) मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ फसल में संतुलित उर्वरकों का प्रभाव
2. त्रु एवं वर्ष	रबी 2017-18
3. समस्या	उर्वरकों के असंतुलित प्रयोग से गेहूँ की कम उत्पादकता
4. विषय क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	गेहूँ फसल पर समन्वित पोषक तत्वों का मूल्यांकन
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
7. कृषक पद्धति - T <sub>1</sub>	120:60:45:0 नाइट्रोजन, फास्फोरस,पोटाश, जिंक सल्फेट
8. शोधित पद्धति, कोई भी - T <sub>2</sub>	मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरकों का प्रयोग (एन.पी.के. 167:75:45) जिंक सल्फेट 25किग्रा०/हे० (फास्फोरस एवं पोटाश)
9. प्रजाति का नाम	एच०डी० - 2967
10. प्रदर्शन सं० (ट्रायल)	05
11. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.40 प्रति प्रदर्शन (2.0 हे०)
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	05-07 दिसम्बर 2017

## प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

### 3. पादप सुरक्षा (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ में पीला रतुआ बीमारी का प्रबन्धन
2. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2016-17
3. समस्या	गेहूँ में पीला रतुआ बीमारी के कारण उपज कम होना
4. सम्बन्धित क्षेत्र	एकीकृत बीमारी प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	मैंकोजेब 75 डब्लूपी0 2 किग्रा0/हे0(दो छिडकाव) तथा प्रोपीकोनाजोल 25 ई0सी0 500 मिली0/हे0 (दो छिडकाव)
6. तकनीकी का स्रोत	गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि वि0वि0, पन्तनगर
7. कृषक पद्धति - T <sub>1</sub>	रसायन प्रयोग नहीं
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T <sub>2</sub>	मैंकोजेब 75 डब्लूपी0 2 किग्रा0/हे0(दो छिडकाव)
9. शोधित पद्धति, कोई भी - T <sub>3</sub>	प्रोपीकोनाजोल 25 ई0सी0 500 मिली0/हे0 (दो छिडकाव)
10. प्रजाति का नाम	पी0बी0डब्लू - 343
11. ट्रायल की सं0	05
12. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.3 हे0 प्रति ट्रायल (1.5 हे0)
13. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	28 नवम्बर से 01 दिसम्बर 2016, 12-15 अप्रैल 2017

## प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक पीला रतुआ बीमारी का प्रकोप %	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु0/हे0)	सकल आय (रु0/हे0)	शुद्ध आय (रु0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति – T <sub>1</sub>	40.50	—	11.50	—	33500	65812	32312	1:1.96
वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति – T <sub>2</sub>	44.75	10.4	8.0	30.45	34940	72718	37778	1:2.08
शोधित पद्धति, – T <sub>3</sub>	46.50	14.8	6.0	56.52	34380	75562	41182	1:2.19

## तकनीकी का फीडबैक

T<sub>3</sub> (प्रोपीकोनाजोल 25 ई0सी0 500 मिली0/हे0 की दर से दो बार छिडकाव ) प्रथम प्रकोप प्रारंभ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 12–15 दिन बाद बीमारी के प्रकोप के सम्बन्ध में T<sub>1</sub> व T<sub>2</sub> की अपेक्षा अच्छा है ।

## तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T<sub>3</sub> प्रोपीकोनाजोल 25 ई0सी0 500 मिली0/हे0 की दर से दो बार छिडकाव किये गये प्लॉटों में पौधे स्वस्थ होने के साथ –साथ बालिया भी अच्छी रही तथा पीला रतुआ बीमारी का प्रकोप T<sub>1</sub> व T<sub>2</sub> की अपेक्षा कम रहा। साथ ही उपज भी अधिक रही ।

### 3. (क) पादप सुरक्षा (धान फसल)

1. शीर्षक	धान में तना छेदक कीट का नियंत्रण
2. त्रु एवं वर्ष	खरीफ 2017
3. समस्या	धान में तना छेदक कीट के प्रकोप के कारण उपज कम होना
4. सम्बन्धित क्षेत्र	आई0पी0एम0
5. तकनीकी का नाम	क्लोरएन्ट्रानिलप्रोल 0.4G @10 किग्रा0/हे0 की दर से जमीन में प्रयोग करना
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
7. कृषक पद्धति – T <sub>1</sub>	(कार्बोफ्यूरेन) 3CG @20 किग्रा0/हे0 की दर से मृदा प्रयोग
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति –T <sub>2</sub>	क्लोरएन्ट्रानिलप्रोल 0.4G @10 किग्रा0/हे0 की दर से मृदा प्रयोग
9. शोधित पद्धति, कोई भी –T <sub>3</sub>	
10. प्रजाति का नाम	पूसा बासमती – 1509
11. ट्रायल की सं0	05
12. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.2 हे0 प्रति ट्रायल (1.0 हे0)
13. रोपाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	07–11 जुलाई 2017 एवं 20–22 अक्टूबर 2017

## प्रदर्शन परिणाम

उपचार	पैदावार कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक तना छेदक कीट का प्रकोप %	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति T <sub>1</sub>	40.50	—	8	—	39400	105300	66000	1:2.67
वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति — T <sub>2</sub>	45.25	11.72	6	25	39947	117650	77703	1:2.94

## तकनीकी का फीडबैक

T<sub>2</sub> क्लोरएन्ट्रानिलप्रोल 0.4G @10 किग्रा० मात्रा का प्रति हे० की दर से मृदा में लगभग 3 इंच खड़े पानी में रोपाई के 30–35 दिन बाद प्रयोग करने पर अधिक उपज 45.25 कु०/हे० प्राप्त हुई तथा यह उपचार कीट प्रकोप के सम्बन्ध में T<sub>1</sub> की अपेक्षा अधिक प्रभावी रहा ।

## तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

T<sub>2</sub> क्लोरएन्ट्रानिलप्रोल 0.4G @10 किग्रा० मात्रा का प्रति हे० की दर से मृदा में प्रयोग किये गये प्लॉटों में पौधे स्वस्थ होने के साथ –साथ बालिया भी अच्छी रही तथा तना छेदक कीट का प्रकोप T<sub>1</sub> की अपेक्षा कम रहा । साथ ही उपज भी अधिक रही ।

### 3. (ख) पादप सुरक्षा (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ में पीला रतुआ बीमारी का प्रबन्धन
2. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2017-18
3. समस्या	गेहूँ में पीला रतुआ बीमारी के कारण उपज कम होना
4. सम्बन्धित क्षेत्र	एकीकृत बीमारी प्रबन्धन
5. तकनीकी का नाम	प्रोपीकोनाजोल 25 ई0सी0 500 मिली0/हे0 (दो छिडकाव)
6. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ
7. कृषक पद्धति - T <sub>1</sub>	रसायन प्रयोग नहीं
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T <sub>2</sub>	प्रोपीकोनाजोल 25 ई0सी0 500 मिली0/हे0 (दो छिडकाव)
9. शोधित पद्धति, कोई भी - T <sub>3</sub>	
10. प्रजाति का नाम	पी0बी0डब्लू - 343
11. ट्रायल की सं0	05
12. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.2 हे0 प्रति ट्रायल (1.0 हे0)
13. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	

### प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

### 3. पादप प्रजनन (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजातियों का मूल्यांकन
2. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2017-18
3. समस्या	कृषकों द्वारा पुराना प्रजाति का प्रयोग के कारण कम उपज
4. सम्बन्धित क्षेत्र	प्रजातीय मूल्यांकन
5. तकनीकी का नाम	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजातियाँ
6. तकनीकी का स्रोत	भारतीय गेहूँ और जौ अनुसंधान संस्थान द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुति
7. कृषक पद्धति - T <sub>1</sub>	पी0बी0डब्लू0 - 373
8. वैज्ञानिक संस्तुति पद्धति - T <sub>2</sub>	एच0डी0 - 3059
9. शोधित पद्धति, कोई भी - T <sub>3</sub>	डी0बी0डब्लू - 90
10. प्रजाति का नाम	एच0डी0 - 3059 एवं डी0बी0डब्लू - 90
11. ट्रायल की सं०	04
12. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.2 हे० प्रति ट्रायल (0.8 हे०)
13. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	03-05 दिसम्बर 2017

### प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

## 3.2 प्रदर्शन प्रगति

### (अ) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन व तिलहन )

#### 1. फसलोत्पादन (सरसों)

1. विषय	सरसों में एकीकृत फसल प्रबन्धन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	सरसों (आर0जी0एन0 – 73)
3. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2016–17
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन न करने के कारण उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	उन्नत प्रजातियों, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन नहीं करना
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा सरसों की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	बीज (आर0जी0एन0 – 73)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	2.4
11. प्रदर्शन सं0	06
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	28 से 29 अक्टूबर 2016 एवं 15–17 मार्च 2017

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	उपज में परिवर्तन (%)	मानक	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%)	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध लाभ (रु०/हे०)	लाभ व अनुपात
			शाखाओं की सं० प्रति पौधा					
कृषक पद्धति	17.42	—	16	—	21628	66215	44588	1:3.06
वैज्ञानिक पद्धति	21.16	21.47	27	68.75	21727	80433	58707	1:3.70

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. आर०जी०एन० – 73 बड़े दाने की अधिक पैदावार देने वाली प्रजाति है ।</li> <li>2. इस प्रजाति में तेल प्रतिशत (48% तक) भी अधिक है ।</li> <li>3. समय से विरलीकरण करने पर उपज में 21.47 प्रतिशत वृद्धि हुई ।</li> <li>4. आल्टरनेरिया पत्ती धब्बा एवं सफेद गेरुई के प्रति सहनशील है ।</li> </ol>
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. कृषक सहमत है कि आर०जी०एन० – 73 अधिक पैदावार देने वाली उन्नत प्रजाति है ।</li> <li>2. कृषक सहमत है कि इस प्रजाति में बीमारिया का प्रकोप, अन्य प्रजातियों की अपेक्षा बहुत कम है ।</li> <li>3. समय से विरलीकरण एवं उन्नत प्रजातियों के चयन के कारण उपज में 21.47 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।</li> </ol>

**(ब) एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत कृषकों के प्रक्षेत्र पर प्रथम पंक्ति प्रदर्शनों के अन्तर्गत प्रदर्शनों का विवरण**

**1. फसलोत्पादन (मसूर)**

1. विषय	मसूर में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	मसूर (पी0एल0 – 8)
3. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2016-17
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों का अभाव, गंधक, कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन न होने के कारण मसूर की उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजातियों की बुवाई तथा गंधक एवं कीट, बीमारियों का समय से प्रबंधन नहीं करना।
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा मसूर की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक (कृषि निवेश)	बीज (पी0एल0 – 8 ) – 8 किलोग्राम राइजोबियम कल्चर – 2 पैकेट
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	16.0
11. प्रदर्शन सं0	40
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	12-17 नवम्बर 2016 एवं 5-7 अप्रैल 2017

**प्रदर्शन परिणाम**

परिणाम	उपज कु0/हे0	उपज में परिवर्तन (%)	मानक	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%)	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध लाभ (रू0/हे0)	लाभ व अनुपात
			फलियों की सं0 प्रति पौधा					
कृषक पद्धति	8.16	—	13.50	—	16025	46566	30127	1:2.90
वैज्ञानिक पद्धति	10.03	18.64	20.39	51.03	18553	60061	41495	1:3.24

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. पन्त मसूर – 8 अधिक पैदावार देने वाली उन्नत प्रजाति है ।</li> <li>2. उक्ठा बीमारी का बहुत कम प्रकोप ।</li> <li>3. मध्यम दाना एवं रतुआ अवरोधी प्रजाति है ।</li> </ol>
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. कृषक सहमत है कि पन्त मसूर – 8 अधिक पैदावार देने वाली उन्नत प्रजाति है ।</li> <li>2. कृषक सहमत है कि अन्य प्रजातियों रतुआ रोग का प्रकोप होता है लेकिन पी0एल0 – 8 रतुआ अवरोधक है ।</li> <li>3. उन्नत प्रजाति की बुवाई करने से उपज 18.64 प्रतिशत वृद्धि हुई ।</li> </ol>

## 1. (क) फसलोत्पादन (उर्द)

1. विषय	उर्द में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	उर्द (पी0यू0 – 31)
3. ऋतु एवं वर्ष	खरीफ –2017
4. समस्या	कृषको द्वारा उन्नत प्रजातियों, खरपतवार नियंत्रण एवं कीट नियंत्रण समय से न करने के कारण उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
6. कृषक पद्धति	कृषको द्वारा उन्नत प्रजातियों, खरपतवार नियंत्रण एवं कीट नियंत्रण समय से न करने के कारण उर्द फसल की पैदावार में कमी।
7. तकनीकी का नाम	उर्द फसल में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	उर्द बीज – 12 किलो0 खरपतवार नियंत्रण – इमेजाथाइपर 10SL @ 250 मिली0(प्रति प्रदर्शन), कीट नियंत्रण – एमीडाक्लोरप्रिड 17.8 एस0एल0 – 250 मिली0 प्रति प्रदर्शन जलघुलनशील (18:18:18) उर्वरक – 5.0 किग्रा0 प्रति प्रदर्शन
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	20.0
11. प्रदर्शन सं0	50
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	02–06 अगस्त 2017 एवं 25 से 30 अक्टूबर 2017

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	उपज में परिवर्तन (%)	मानक		मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%)		उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध लाभ (रु०/हे०)	लाभ व अनुपात
			खरपतवारो की सं० मी० <sup>2</sup>	पीला चित्तवर्ण रोग(येलो मौजेक) प्रभावित पौधे	खरपतवारो की संक्रमण	पीला चित्तवर्ण रोग(येलो मौजेक) का संक्रमण				
वैज्ञानिक पद्धति	8.64	32.14	19.0	10	86.64	90.0	19825	43247	23036	1:2.18

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. फसल एक साथ पकती है ।</li> <li>2. उन्नत एवं प्रमाणित (पी०यू० – 31) के कारण उपज में वृद्धि हुई है ।</li> <li>3. समय से एमीडाक्लोरपिड 17.8% का छिडकाव करने से बहुत कम पीला चित्तवर्ण रोग का प्रकोप हुआ ।</li> <li>4. समय से एमीडाक्लोरपिड 17.8% का छिडकाव करने से फली वेधक कीट का प्रकोप नहीं हुआ ।</li> <li>5. इमेजाथाइपर 10 ई०सी० का समय से छिडकाव करने से फसल में खरपतवारों का प्रकोप बहुत कम हुआ ।</li> </ol>
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. कृषकों ने बताया कि पी०यू० – 31 की पैदावार अन्य लोकल प्रजातियों से उपज अधिक है ।</li> <li>2. पी०यू० – 31 में पीला चित्तवर्ण रोग का प्रकोप बहुत कम होता है तथा अल्प अवधि की प्रजाति है ।</li> </ol>

## 1.(ख) फसलोत्पादन (मसूर)

1. विषय	मसूर में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	मसूर (पी0एल0 – 8)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2017–18
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों का अभाव, कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन न होने के कारण मसूर की उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजातियों की बुवाई तथा कीट एवं बीमारियों का समय से प्रबंधन नहीं करना ।
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा मसूर की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	आई0आई0पी0आर0, कानपुर
9. प्रदर्शित तकनीक (कृषि निवेश)	बीज – 16 किलोग्राम एवं कीटनाशी / फफूंदनाशक दवा
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	20.0
11. प्रदर्शन सं0	50
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	11–15 अक्टूबर 2017

## प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

## 1. (ग) फसलोत्पादन (सरसों)

1. विषय	सरसों में एकीकृत फसल प्रबन्धन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	सरसों (आर0जी0एन0 – 48)
3. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2017–18
4. समस्या	उन्नत प्रजातियों, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन न करने के कारण उपज में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	एकीकृत फसल प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	उन्नत प्रजातियों का चयन, विरलीकरण एवं कीट बीमारियों का समय से प्रबन्धन नहीं करना
7. तकनीकी का नाम	एकीकृत फसल प्रबन्धन के द्वारा सरसों की उपज बढ़ाना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	बीज (आर0जी0एन0 – 48)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	10.4
11. प्रदर्शन सं0	26
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	25 से 28 अक्टूबर 2017

## प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

**(स) अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन व तिलहन के अतिरिक्त)**

**1. फसलोत्पादन (गेहूँ)**

1. विषय	गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2016–17
4. समस्या	गेहूँ फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न होने के कारण पैदावार में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	खरपतवार प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	खरपतवारनाशी का प्रयोग न करना
7. तकनीकी का नाम	सल्फोसल्फयूरान के द्वारा खरपतवार नियंत्रण
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	सल्फोसल्फयूरान 75% का बुवाई के 30 दिन की अवस्था पर पर्णीय छिडकाव
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	6.0
11. प्रदर्शन सं0	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	28–30 नवम्बर 2016 एवं कटाई 12–14 अप्रैल 2017

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	उपज में परिवर्तन (%)	मानक गेहूँ में खरपतवारों की सं0 मी0 <sup>2</sup>	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%) गेहूँ में खरपतवारों का प्रतिशत	उत्पादन लागत (रु0/हे0)	सकल आय (रु0/हे0)	शुद्ध लाभ (रु0/हे0)	लाभ व अनुपात
कृषक पद्धति	41.10	—	226	—	43260	66815	23555	1:1.54
वैज्ञानिक पद्धति	48.12	17.09	21	90.57	43910	78206	34296	1:1.78

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> <li>गेहूँ की खड़ी फसल पर 35 दिन की अवस्था पर सल्फोसल्फयूरान 75% का पर्णीय छिडकाव करने से 90.57% तक खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण होता है ।</li> <li>समय से खरपतवारों का नियंत्रण के कारण ब्यौत प्रतिशत में वृद्धि हुई, जिसके कारण उपज में 17.09 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।</li> <li>दाने की गुणवत्ता में सुधार होता है ।</li> </ol>
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> <li>कृषक सहमत है कि सल्फोसल्फयूरान 75%, 2-4 डी0 सोडियम साल्ट 80% की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है । विशेष कर जंगली पालक एवं गाजर घास के नियंत्रण में ।</li> <li>समय से खरपतवारनाशी का पर्णीय छिडकाव किय जाये तो खरपतवारों की रोकथाम होती है तथा उपज में वृद्धि होती है ।</li> </ol>

## 1. (क) फसलोत्पादन (धान)

1. विषय	धान फसल में रसायन द्वारा खरपतवार प्रबन्धन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	धान (पी0एच0बी0 – 71)
3. त्रुतु एवं वर्ष	खरीफ 2017
4. समस्या	अधिक खरपतवारों के कारण धान फसल की पैदावार में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	खरपतवार प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	60 दिन की अवस्था पर मजदूरों से खरपतवार प्रबन्धन
7. तकनीकी का नाम	पाइजासलफयूरान 10 डब्लू0पी0 की 362 ग्राम/हे0 से खरपतवार नियंत्रण करना ।
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	पाइजासलफयूरान 10 डब्लू0पी0 का 15–20 दिन पर पर्णीय छिडकाव
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	6.0
11. प्रदर्शन सं0	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	05–10 जुलाई 2017 एवं 29–30 अक्टूबर 2017

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	उपज में परिवर्तन (%)	मानक खपतवारो की सं0 मी0 <sup>2</sup>	मानक के साथ उपज में परिवर्तन (%) धान में खरपतवारों का प्रतिशत	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध लाभ (रू0/हे0)	लाभ व अनुपात
कृषक पद्धति	58.18	—	155	—	49433	95602	46202	1:1.90
वैज्ञानिक पद्धति	71.85	19.05	16	89.68	49867	108316	54466	1:2.17

निष्पादन एवं संस्तुति	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. पाइजासलफयूरान 10 डब्लूपी0 के पर्णीय छिडकाव करने से खरपतवारों का प्रभावशाली नियंत्रण हुआ । जिसमें 89.68% तक खरपतवारों की रोकथाम हुई ।</li> <li>2. पाइजासलफयूरान 10 डब्लूपी0 का समय से छिडकाव करने से उपज में 19% तक वृद्धि हुई ।</li> </ol>
तकनीकी विशेष के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. कृषक सहमत है कि पाइजासलफयूरान 10 डब्लूपी0 अन्य खरपतवारनाशी की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली है ।</li> <li>2. समय से पर्णीय छिडकाव करने पर उपज में 19% की वृद्धि हुई ।</li> </ol>

## 1.(ख) फसलोत्पादन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2017–18
4. समस्या	गेहूँ फसल में समय से खरपतवार नियंत्रण न होने के कारण पैदावार में कमी
5. वर्गीकृत क्षेत्र	खरपतवार प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	खरपतवारनाशी का प्रयोग न करना
7. तकनीकी का नाम	सल्फो सल्फयूरान के द्वारा खरपतवार नियंत्रण
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	सल्फो सल्फयूरान 75% का बुवाई के 30 दिन की अवस्था पर पर्णीय छिडकाव
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	6.0
11. प्रदर्शन सं0	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	25– 30 नवम्बर 2017

## प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

## 2.उद्यान विज्ञान (आलू)

1. विषय	आलू की उन्नत प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	आलू (चिप्सोना – 1)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2017–18
4. समस्या	आलू की पुरानी प्रजाति का प्रयोग करना
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	स्थानीय प्रजाति का प्रयोग करना
7. तकनीकी का नाम	आलू की उन्नत प्रजाति चिप्सोना – 1 से उत्पादन में वृद्धि करना
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, मोदीपुरम, मेरठ
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	आलू की उन्नत प्रजाति चिप्सोना – 1 से उत्पादन में वृद्धि करना बीज – 5 कु0 एवं प्रति प्रदर्शन 1 कु0 दिया गया ।
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	2.0
11. प्रदर्शन सं0	05
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	09–25 नवम्बर 2017

### प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

### 3. मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ फसल में सूक्ष्म तत्वों का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	गेहूँ (सीबीडब्लू - 38)
3. त्रतु एवं वर्ष	रबी 2016-17
4. समस्या	सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग न करने से उत्पादकता में कमी
5. सम्बन्धित क्षेत्र	फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग नहीं किया जाता
6. कृषक पद्धति	कृषक स्तर पर सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जिंक सल्फेट 25 किग्रा0/हे0 बेसल में प्रयोग
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जिंक सल्फेट 25 किग्रा0 प्रति हे0 की दर से बेसल में प्रयोग किया गया
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	22-25 दिसम्बर 2016 तथा 8-13 अप्रैल 2017

### प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रति बाली दानो की सं0	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	37.80	-	37.40	-	29110	61803	32693	1:2.12
वैज्ञानिक पद्धति	45.20	21.01	43.80	17.11	30410	73902	43492	1:2.43

### प्रदर्शन व संस्तुति

गेहूँ फसल में 25 किग्रा0/हे0 की दर से जिंक सल्फेट प्रयोग किया गया तथा कृषक पद्धति के सापेक्ष वैज्ञानिक पद्धति में 21.01% की वृद्धि हुई ।

### तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जिंक सल्फेट 25 किग्रा0/हे0 की दर से बेसल में प्रयोग किया गया ।

### 3. (क) मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	गेहूँ (सीबीडब्लू - 38)
3. त्रु एवं वर्ष	रबी 2016-17
4. समस्या	उर्वरकों का असन्तुलित मात्रा में प्रयोग करने से गेहूँ की फसल में कम उत्पादकता
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	कृषक स्तर पर जल विलेय उर्वरको का प्रयोग नहीं किया जाता।
7. तकनीकी का नाम	जल विलेय उर्वरको एन0पी0के0 18:18:18 के तीन पर्णाय छिडकाव।
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जल विलेय उर्वरको एन0पी0के0 18:18:18 का 12.5 किग्रा0/हे0 की दर से तीन पर्णाय छिडकाव किये गये।
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	20-22 दिसम्बर 2016 तथा 8-13 अप्रैल 2017

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रति बाली दानो की सं0	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	38.30	—	38.20	—	29625	62620	32995	1:2.11
वैज्ञानिक पद्धति	46.50	21.0	46.40	21.11	30525	76027	45502	1:2.49

## प्रदर्शन व संस्तुति

गेहूँ में जल विलेय उर्वरक 18:18:18 एन.पी.के. के तीन पर्णाय छिडकाव किये गये। पहला छिडकाव 1 किग्रा0 18:18:18 100 लीटर पानी तथा दूसरा छिडकाव फूल आने से पूर्व 2 किग्रा0 18:18:18 200 लीटर पानी तथा तीसरा छिडकाव फूल आने के बाद 2 किग्रा0 200 लीटर पानी घोल बनाकर छिडकाव करना प्रभावी रहा। 15.36% की वृद्धि हुई।

## तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के पर्णाय छिडकाव करने से 21.49% की वृद्धि हुई।

## 3. (ख) मृदा विज्ञान (धान फसल)

1. शीर्षक	धान फसल में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबन्धन
2. फसल व प्रजाति	धान (पूसा सुगन्ध 1509)
3. त्रु एवं वर्ष	खरीफ 2017
4. समस्या	असन्तुलित मात्रा में उर्वरकों का प्रयोग करने पर कम उत्पादकता
5. सम्बन्धित क्षेत्र	फसल में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी।
6. कृषक पद्धति	कृषक स्तर पर सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग न करना।
7. तकनीकी का नाम	फेरस सल्फेट तथा जिंक सल्फेट का बुवाई के समय प्रयोग करना।
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जिंक सल्फेट 25 किग्रा० तथा फेरस सल्फेट 20 किग्रा० प्रति हे० की दर से प्रयोग किया गया
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.4 हे० प्रति प्रदर्शन (4.0 हे०)
11. प्रदर्शनो की सं०	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	12-17 जुलाई 2017 एवं 25-28 अक्टूबर 2017

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रति बाली दानो की सं०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	43.60	—	58.20	—	52985	120980	68072	1:2.28
वैज्ञानिक पद्धति	48.46	12.0	70.50	21.13	53190	135688	81698	1:2.51

## प्रदर्शन व संस्तुति

धान में जिंक सल्फेट 25 किग्रा० तथा फेरस सल्फेट 20 किग्रा० प्रति हे० की दर से बुवाई के समय प्रयोग किया गया। जिससे कृषक पद्धति के सापेक्ष वैज्ञानिक पद्धति से 12.0% की वृद्धि हुई।

## तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जिंक सल्फेट एवं फेरस सल्फेट के बुवाई के समय प्रयोग करने से उत्पादन में 12.0% वृद्धि हुई।

## 3. (ग) मृदा विज्ञान (धान फसल)

1. शीर्षक	धान फसल में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	धान (पूसा 1509)
3. त्रु एवं वर्ष	खरीफ 2017
4. समस्या	उर्वरकों का असन्तुलित मात्रा में प्रयोग करने से धान की फसल में कम उत्पादन
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	कृषक स्तर पर जल विलेय उर्वरको का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन पर्णीय छिडकाव ।
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ० वि० वि०, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन पर्णीय छिडकाव 12.5 किग्रा०/हे० की दर से किये गये ।
10. कुल क्षेत्रफल (हे०)	0.4 हे० प्रति प्रदर्शन (6.0 हे०)
11. प्रदर्शनो की सं०	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	21-28 जुलाई 2016 एवं 10-15 नवम्बर 2016

## प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु०/हे०	पैदावार में % बदलाव	मानक प्रति बाली दानो की सं०	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रु०/हे०)	सकल आय (रु०/हे०)	शुद्ध आय (रु० में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	41.25	—	58.40	—	52880	120400	67520	1:2.27
वैज्ञानिक पद्धति	48.24	14.49	71.62	22.60	53850	135072	91222	1:2.50

## प्रदर्शन व संस्तुति

धान में जल विलेय उर्वरक 18:18:18 के तीन छिडकाव पहला छिडकाव 1 किग्रा० उर्वरक 100 ली० पानी तथा दूसरा छिडकाव फूल आने से पूर्व 2 किग्रा० 200 ली० पानी तथा तीसरा छिडकाव फूल आने के बाद 2 किग्रा० उर्वरक 200 ली० पानी में घोल बनाकर छिडकाव करना प्रभावी रहा । जिससे कृषक पद्धति के सापेक्ष वैज्ञानिक पद्धति से 14.49% की वृद्धि हुई ।

## तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

जल विलेय उर्वरक 18:18:18 एन.पी.के. के पर्णीय छिडकाव करने से उत्पादन में 14.49% की वृद्धि हुई ।

### 3. (घ) मृदा विज्ञान (गन्ना फसल)

1. शीर्षक	गन्ने में जलविलेय उर्वरक का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	गन्ना, कोशा – 0238
3. त्रतु एवं वर्ष	जायद 2017
4. समस्या	गन्ना में कम उत्पादन
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	जलविलेय उर्वरक का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जलविलेय उर्वरक 18:18:18 एनपीके 12.5 किग्रा0/हे0 ।
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जलविलेय उर्वरक 18:18:18 एनपीके 12.5 किग्रा0/हे0 (5 किग्रा0/एकड के तीन पर्णय छिडकाव)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	04–06 मार्च 2017

### प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

### 3. (ड) मृदा विज्ञान (गेहूँ फसल)

1. शीर्षक	गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग
2. फसल व प्रजाति	गेहूँ (एच0डी0 – 2967)
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2017–18
4. समस्या	गेहूँ में कम उत्पादन
5. सम्बन्धित क्षेत्र	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन
6. कृषक पद्धति	जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग न करना ।
7. तकनीकी का नाम	जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	जल विलेय उर्वरक का प्रयोग 18:18:18 एन.पी.के. @ 12.5 किग्रा0/हे0 ( तीन पर्णीय छिडकाव)
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (6.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	15
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	25–28 नवम्बर 2017

### प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

#### 4. फसल सुरक्षा (मैथा फसल)

1. शीर्षक	मेन्था में कीट प्रबन्धन
2. फसल व प्रजाति	मेन्था (कोसी)
3. त्रु एवं वर्ष	जायद – 2017
4. समस्या	मेन्था में पत्ती खाने वाली सूडियों के प्रकोप के कारण उपज कम होना
5. सम्बन्धित क्षेत्र	आई0पी0एम0
6. कृषक पद्धति	क्लोरोपायरीफॉस 20 ई0सी0 नामक रसायन की 1.5 ली0 मात्रा का प्रति हे0 की दर से एक बार छिडकाव करना ।
7. तकनीकी का नाम	क्विनालफॉस-25ईसी का 2 ली0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव एवं मोनोक्रोटोफॉस- 36 एस0एल0 का 1.5 ली0/हे0 की दर से द्वितीय छिडकाव के रूप में प्रयोग कर मेन्था में पत्ती काटने वाली सूडियों का नियंत्रण करना ।
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	क्विनालफॉस-25ईसी 2 ली0/हे0 (प्रथम छिडकाव) – कीट प्रकोप शुरू होने पर तथा मोनोक्रोटोफॉस-36 एस0एल0 1.5 ली0/हे0 (द्वितीय छिडकाव) – प्रथम छिडकाव के 15-20 दिन बाद
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	08-12 फरवरी 2017 एवं 06-10 जून 2017

#### प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज किग्रा0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक कीट का प्रकोप %	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	106.5	—	20	—	63000	106500	43500	1:1.69
वैज्ञानिक पद्धति	120.0	12.67	13.33	33.35	63875	120000	56125	1:1.87

#### प्रदर्शन व संस्तुति

मेन्था में पत्ती काटने वाली सूडियों के प्रभावी नियंत्रण हेतु कीट प्रकोप प्रारम्भ होने पर क्विनालफॉस-25ईसी 2 ली0/हे0 (प्रथम छिडकाव) तथा मोनोक्रोटोफॉस- 36 एस0एल0 1.5 ली0/हे0 (द्वितीय छिडकाव) – प्रथम छिडकाव के 15-20 दिन बाद करना प्रभावी है ।

#### तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

मेन्था में पत्ती काटने वाली सूडियों के नियंत्रण हेतु क्विनालफॉस-25ईसी 2 ली0/हे0 (प्रथम छिडकाव) तथा मोनोक्रोटोफॉस- 36 एस0एल0 1.5 ली0/हे0 (द्वितीय छिडकाव) – प्रथम छिडकाव के 15-20 दिन बाद करने से सूडियों का नियंत्रण असरदार रहा तथा उपज में भी वृद्धि हुई ।

#### 4. (क) फसल सुरक्षा (धान फसल)

1. शीर्षक	धान में झोंका रोग का नियंत्रण
2. फसल व प्रजाति	धान (पी0एच0बी – 71)
3. त्रतु एवं वर्ष	खरीफ – 2017
4. समस्या	धान में झोंका रोग के प्रकोप के कारण उपज कम होना
5. सम्बन्धित क्षेत्र	आई0डी0एम0
6. कृषक पद्धति	कार्बेनडाजिम 50 डब्लूपी0 नामक रसायन की 1.0 किलो0 मात्रा का प्रति हे0 की दर से एक बार छिडकाव करना ।
7. तकनीकी का नाम	धान में झोंका रोग के नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल 4%+ जिनेब 68% का 1 किग्रा0/हे0 की दर से 2 बार छिडकाव करना
8. तकनीकी का स्रोत	गोविन्द वल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौ0 वि0वि0, पन्तनगर
9. वैज्ञानिक पद्धति	हेक्साकोनाजोल 4%+ जिनेब 68% का 1 किग्रा0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव रोग का प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा द्वितीय छिडकाव प्रथम छिडकाव के 15-20 दिन बाद करना
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	10
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	08-13 जुलाई 2017 एवं 28-30 नवम्बर 2017

#### प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक झोंका रोग का प्रकोप %	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	54.50	—	10	—	38075	84475	46400	1:2.21
वैज्ञानिक पद्धति	61.37	12.60	08	20	39299	95123	55824	1:2.42

#### प्रदर्शन व संस्तुति

धान में झोंका रोग के प्रभावी नियंत्रण हेतु हेक्साकोनाजोल 4%+ जिनेब 68% का 1 किग्रा0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव बीमारी का प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 15-20 दिन बाद करना प्रभावी है ।

#### तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

धान में झोंका रोग की रोकथम हेतु हेक्साकोनाजोल 4%+ जिनेब 68% का 1 किग्रा0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव बीमारी का प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव 15-20 दिन बाद करने से झोंका रोग की बीमारी की अच्छी रोकथम हुई तथा उपज में भी वृद्धि हुई ।

#### 4. (ख) फसल सुरक्षा (धान फसल)

1. शीर्षक	धान में भूरा फुदका कीट का नियंत्रण
2. फसल व प्रजाति	धान (पी0एच0बी0 – 71)
3. त्रु एवं वर्ष	खरीफ – 2017
4. समस्या	धान में भूरा फुदका कीट के प्रकोप के कारण उपज कम होना
5. सम्बन्धित क्षेत्र	आई0पी0एम0
6. कृषक पद्धति	मोनोक्रोटोफॉस 36 एस.एल. की 1 ली0 मात्रा का प्रति हे0 की दर से एक बार छिडकाव करना ।
7. तकनीकी का नाम	बुप्रोफेजिन 25 एस.सी. 1 ली0/हे0 की दर से दो बार छिडकाव करना
8. तकनीकी का स्रोत	सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौ0 वि0 वि0, मेरठ
9. वैज्ञानिक पद्धति	बुप्रोफेजिन 25 एस.सी. 1 ली0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव कीट प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 10-12 दिन बाद करना ।
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	0.4 हे0 प्रति प्रदर्शन (4.0 हे0)
11. प्रदर्शनो की सं0	10
12. रोपाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	07-13 जुलाई 2017 एवं 26-30 अक्टूबर 2017

#### प्रदर्शन परिणाम

परिणाम	उपज कु0/हे0	पैदावार में % बदलाव	मानक कीट का प्रकोप %	मानक में बदलाव %	उत्पादन लागत (रू0/हे0)	सकल आय (रू0/हे0)	शुद्ध आय (रू0 में)	लागत अनुपात लाभांश
कृषक पद्धति	53.65	—	12	—	38300	83157	44857	1:2.17
वैज्ञानिक पद्धति	62	15.56	8	33.33	38898	96100	57202	1:2.47

#### प्रदर्शन व संस्तुति

धान में भूरा फुदका कीट के नियंत्रण हेतु बुप्रोफेजिन 25 एस.सी. 1 ली0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव कीट का प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 12-15 दिन बाद करना चाहिये ।

#### तकनीकी के सम्बन्ध में कृषक प्रतिक्रिया

धान में भूरा फुदका कीट के नियंत्रण हेतु बुप्रोफेजिन 25 एस.सी. 1 ली0/हे0 की दर से प्रथम छिडकाव कीट का प्रकोप प्रारम्भ होने पर तथा दूसरा छिडकाव प्रथम छिडकाव के 12-15 दिन बाद करना काफी प्रभावी रहा ।

## 5. पादप प्रजनन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (डी0बी0डब्लू 621-50 )
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2017-18
4. समस्या	समय से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग
7. तकनीकी का नाम	गेहूँ की समय से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	भारतीय गेहूँ और जौ अनुसंधान संस्थान द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुति
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम - डी0बी0डब्लू - 621-50
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	1.0
11. प्रदर्शन सं0	05
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	19-25 नवम्बर 2017

## प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

## 5.(क) पादप प्रजनन (गेहूँ)

1. विषय	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन
2. फसल एवं प्रजाति का नाम	गेहूँ (पी0बी0डब्लू 590 )
3. ऋतु एवं वर्ष	रबी 2017-18
4. समस्या	देर से गेहूँ की पुरानी प्रजाति बोने से कम उत्पादन
5. वर्गीकृत क्षेत्र	प्रजातीय प्रदर्शन
6. कृषक पद्धति	पुरानी प्रजाति का प्रयोग
7. तकनीकी का नाम	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली प्रजाति कम प्रदर्शन
8. तकनीकी का स्रोत (वर्ष)	भारतीय गेहूँ और जौ अनुसंधान संस्थान द्वारा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिये संस्तुति
9. प्रदर्शित तकनीक का विस्तार (वैज्ञानिक पद्धति)	प्रजातीय प्रदर्शन, प्रजाति का नाम – पी0बी0डब्लू – 590
10. कुल क्षेत्रफल (हे0)	1.0
11. प्रदर्शन सं0	05
12. बुवाई की तिथि एवं कटाई की तिथि	04-08 दिसम्बर 2017

## प्रदर्शन परिणाम प्रतीक्षारत

### 3.3 प्रशिक्षण प्रगति

क्र. स.	विभाग का नाम	प्रशिक्षण संख्या	प्रशिक्षणार्थी						कुल योग
			अन्य			अनु/जनजाति			
			पुरुष	स्त्री	योग	पुरुष	स्त्री	योग	
<b>कृषक एवं कृषक महिलाओं को प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं वाह्य परिसर पर)</b>									
1	फसलोत्पादन	18	300	—	300	60	—	60	360
2	उद्यान विज्ञान	08	138	—	138	22	—	22	160
3	मृदा विज्ञान	15	289	—	289	11	—	11	300
4	पादप सुरक्षा	11	198	—	198	22	—	22	220
5	पादप प्रजनन	09	172	—	172	08	—	08	180
6	कृषि प्रसार	04	78	—	78	02	—	02	80
	<b>योग</b>	<b>65</b>	<b>1175</b>	<b>—</b>	<b>1175</b>	<b>125</b>	<b>—</b>	<b>125</b>	<b>1300</b>
<b>ग्रामीण युवक एवं युवतियों हेतु रोजगार परक प्रशिक्षण</b>									
1	फसलोत्पादन	02	18	—	18	02	—	02	20
2	उद्यान विज्ञान	—	—	—	—	—	—	—	—
3	मृदा विज्ञान	—	—	—	—	—	—	—	—
4	पादप सुरक्षा	01	09	—	09	01	—	01	10
5	पादप प्रजनन	02	18	—	18	02	—	02	20
6	कृषि प्रसार	—	—	—	—	—	—	—	—
	<b>योग</b>	<b>05</b>	<b>45</b>	<b>—</b>	<b>45</b>	<b>05</b>	<b>—</b>	<b>05</b>	<b>50</b>
<b>प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु</b>									
1	फसलोत्पादन	03	25	—	25	05	—	05	30
2	उद्यान विज्ञान								
3	मृदा विज्ञान	06	50	—	50	10	—	10	60
4	पादप सुरक्षा	06	43	—	43	17	—	17	60
5	पादप प्रजनन	01	08	—	08	02	—	02	10
6	कृषि प्रसार	—	—	—	—	—	—	—	—
	<b>योग</b>	<b>16</b>	<b>126</b>	<b>—</b>	<b>126</b>	<b>34</b>	<b>—</b>	<b>34</b>	<b>160</b>

वर्ष 2017-18 में अप्रैल 2017 से नवम्बर 2017 तक कृषक, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवकों/युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु कराये गये प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है :-

### 3.4 प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

#### (अ) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र पर)

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6

#### प्रथम तिमाही (अप्रैल 2017 से जून 2017 तक)

फसलोत्पादन	1. पिछेती गन्ना पेडी का प्रबन्धन	25 अप्रैल, 2017	1	20	—
	2. धान नर्सरी का प्रबन्धन	18 मई, 2017	1	20	—
	3. धान की सीधी बुवाई तकनीक ।	09 जून, 2017	1	20	—
उद्यान विज्ञान	1. ग्रीष्म ऋतु में मिर्च फसल का प्रबन्धन ।	29 मई 2017	1	20	—
मृदा विज्ञान	1. मृदा नमूने एकत्र करने की विधि ।	19 मई 2017	1	20	—
	2. धान की नर्सरी में उर्वरक प्रबन्धन ।	08जून, 2017	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. मैथा की फसल में एकीकृत कीट, बीमारी प्रबन्धन ।	24 अप्रैल, 2017	1	20	—
	2. उर्द की फसल में एकीकृत कीट, बीमारी प्रबन्धन ।	12 मई, 2017	1	20	—

#### द्वितीय तिमाही (जुलाई 2017 से सितम्बर 2017 तक)

फसलोत्पादन	1. धान फसल में उर्वरक प्रबन्धन ।	04 जुलाई 2017	1	20	—
	2. धान फसल में खरपतवार प्रबन्धन ।	18 जुलाई 2017	1	20	—
	3. उर्द फसल उत्पादन तकनीकी	26 जुलाई 2017	1	20	—
	4. तोरिया फसल में सल्फर एवं विरलीकरण का महत्व	08 सितम्बर 2017	1	20	—
उद्यान विज्ञान	1. वैज्ञानिक विधि से अमरुद की बागवानी ।	05 सितम्बर 2017	1	20	—
	2. वर्षा ऋतु में सब्जी नर्सरी का प्रबन्धन ।	22 सितम्बर 2017	1	20	—

मृदा विज्ञान	1. धान में मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग।	15 जुलाई 2017	1	20	—
	2. धान में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग।	20 सितम्बर, 2017	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. धान में एकीकृत कीट प्रबन्धन।	16 अगस्त 2017	1	20	—
	2. धान में एकीकृत रोग प्रबन्धन।	15 सितम्बर 2017	1	20	—
पादप प्रजनन	1. बासमती धान की उन्नत प्रजातिया एवं उनकी उत्पादन तकनीक।	03 जुलाई 2017	1	20	—
	2. सरसों एवं तोरिया की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी तकनीक।	13 सितम्बर 2017	1	20	—

### तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2017 से दिसम्बर 2017 तक)

फसलोत्पादन	1. फसल अवशेष का उपयोग कर मृदा उर्वरकता में वृद्धि करना।	4 अक्टूबर 2017	1	20	—
उद्यान विज्ञान	1. सब्जी फसल में एग्रीमिन का पर्णिय छिडकाव।	25 अक्टूबर 2017	1	20	—
मृदा विज्ञान	1. रबी फसलों में जैव उर्वरकों का प्रयोग।	23 अक्टूबर 2017	1	20	—
	2. गेहूँ जिंक तथा यूरिया का पर्णिय छिडकाव।	22 नवम्बर 2017	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. सरसो की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन।	15 नवम्बर 2017	1	20	—
पादप प्रजनन	1. समय से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी।	10 अक्टूबर 2017	1	20	—
	2. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी।	20 नवम्बर 2017	1	20	—
कृषि प्रसार	1. कृषि उन्नयन हेतु उ0प्र0 सरकार की विभिन्न योजनायें।	26 सितम्बर 2017	1	20	—
	2. कृषकों की सामाजिक आर्थिक उत्थान में ज्ञान व सूचना की भूमिका	26 अक्टूबर 2017	1	20	—

**(ब) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र से बाहर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7

**प्रथम तिमाही (अप्रैल 2017 से जून 2017 तक)**

फसलोत्पादन	1. पिछेते गन्ना फसल की उत्पादन तकनीक ।	17 मई 2017	1	खानपुर	20	—
	2. गर्मी में पौपलर एवं यूकेलिप्टस पौधों का प्रबन्धन ।	27 मई 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
	3. बासमती धान की उत्पादन तकनीकी ।	30 मई 2017	1	करसरा	20	—
	3. गन्ना फसल में खरपतवार प्रबन्धन ।	27 मई 2017	1	खानपुर	20	—
मृदा विज्ञान	1. धान में मृदा परीक्षण के आधार पर संतुलित उर्वरक का प्रयोग	25 अप्रैल 2017	1	खानपुर	20	—
	1. मृदा नमूना एकत्र करने की विधि	23 मई, 2017	1	सिहाली लददा	20	—
	2. धान नर्सरी में उर्वरकों का प्रबन्धन ।	06 जून, 2017	1	अबूपुरा खुर्द	20	—
	3. धान में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबन्धन	14 जून, 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
फसल सुरक्षा	1. रसायनों के प्रयोग एवं चयन में सावधानियां व इनका घोल बनाने की तकनीक ।	26 अप्रैल 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
	2. गन्ना में एकीकृत कीट प्रबन्धन ।	19 मई, 2017	1	सिहाली लददा	20	—
कृषि प्रसार	1. हरी खाद का महत्व	27 जून 2017	1	हमजापुर	20	—

**द्वितीय तिमाही (जुलाई 2017 से सितम्बर 2017 तक)**

फसलोत्पादन	1. शरदकालीन गन्ना के साथ सहफसली उत्पादन तकनीक ।	19 सितम्बर 2017	1	खानपुर	20	—
	2. सरसों फसल में गंधक एवं विरलीकरण का महत्व ।	22 सितम्बर, 2017	1	करसरा	20	—
उद्यान विज्ञान	1. तोरई की उन्नत प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीकी ।	27 जुलाई 2017	1	करसरा	20	—
	2. लौकी की उन्नत प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीकी ।	08 अगस्त 2017	1	खानपुर	20	—
मृदा विज्ञान	1. धान में मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग ।	14 जुलाई 2017	1	सिहाली लददा	20	—
	2. जैविक उर्वरको के लाभ ।	31 अगस्त 2017	1	बगपुरा	20	—
	3. मृदा नमूना एकत्र करने की विधि ।	21 सितम्बर 2017	1	सिहाली लददा	20	—
फसल सुरक्षा	1. खरीफ की फसलों में दीमक प्रबन्धन ।	14 जुलाई 2017	1	खानपुर	20	—
	2. उर्द की फसल में बीमारी नियंत्रण ।	20 जुलाई 2017	1	सिहाली लददा	20	—
	3 उर्द में बालों वाली सूँडी का प्रबन्धन ।	20 अगस्त 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
पादप प्रजनन	1. मेंथा की सकर उत्पादन तकनीकी	19 जुलाई 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
	2. लाही एवं तोरियों की उन्नत प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीकी ।	21 अगस्त 2017	1	सहरिया	20	—
	3. गन्ने की नई प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	23 सितम्बर 2017	1	जैतपुर पट्टी	20	—
कृषि प्रसार	1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	27 जुलाई 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—

**तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2017 से दिसम्बर 2017 तक)**

फसलोत्पादन	1. आलू उत्पादन तकनीक ।	10अक्टूबर 2017	1	खानपुर	20	—
	2. मसूर उत्पादन तकनीक	27 अक्टूबर, 2017	1	खाता	20	—
	3. समय से बोये गेहूँ की उत्पादन तकनीकी ।	31 अक्टूबर 2017	1	मैथरा	20	—
	4. गेहूँ फसल में खरपतवार नियंत्रण	14 नवम्बर 2017	1	खानपुर	20	—
उद्यान विज्ञान	1. आलू फसल उत्पादन का प्रबन्धन ।	17 अक्टूबर 2017	1	करसरा	20	—
	2. उन्नतशील प्याज की प्रजातियाँ एवं उत्पादन तकनीकी ।	26 अक्टूबर 2017	1	करसरा	20	—
मृदा विज्ञान	1. मृदा नमूना एकत्र करने की विधि ।	30 अक्टूबर 2017	1	फत्तेहपुर नथ्था	20	—
	2. गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	16 नवम्बर 2017	1	खानपुर	20	—
फसल सुरक्षा	1. रबी दलहनी फसलों में एकीकृत कीट प्रबन्धन ।	21 नवम्बर 2017	1	नगलिया जट	20	—
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	26 अक्टूबर 2017	1	सिहाली लददा	20	—
	2. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी	21 नवम्बर 2017	1	नगलिया जट	20	—

**(स) ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार परक प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
<b>प्रथम तिमाही (अप्रैल 2017 से जून 2017 तक)</b>						
फसलोत्पादन	1. नील हरित शैवाल एवं एजौला का उत्पादन एवं उपयोग ।	3-4 एवं 5-8 मई 2017	6	हरौरा	10	—
पादप प्रजनन	1. धान बीज उत्पादन तकनीक ।	22-24 एवं 27-29 जून 2017	6	केन्द्र पर	10	—
<b>तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2017 से दिसम्बर 2017 तक)</b>						
फसलोत्पादन	1. नील हरित शैवाल एवं एजौला का उत्पादन एवं उपयोग ।	3-4 एवं 25-23, 25-26 अक्टूबर 2017	6	हरौरा	10	—
पादप सुरक्षा	1. मधुमक्खी पालन तकनीक ।	25-27 अक्टूबर 30-31 नवम्बर 2017	6	फत्तेहपुर नथ्था	09	01
पादप प्रजनन	1. गेहूं की बीज उत्पादन तकनीक ।	1-2 एवं 6-9 नवम्बर 2017	6	केन्द्र पर	10	—

**(द) सेवाकालीन प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण (केन्द्र पर /केन्द्र से बाहर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
<b>प्रथम तिमाही (अप्रैल 2017 से जून 2017 तक)</b>						
फसलोत्पादन	1. धान की सीधी बुवाई की उत्पादन तकनीक (RCT) ।	3 जून 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
मृदा विज्ञान	1. कृषि उत्पादन में मृदा परीक्षण का महत्व	26 अप्रैल 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. धान में हरी खाद का महत्व ।	24 मई 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	3. धान में सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबन्धन ।	15 जून 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप सुरक्षा	1. खाद्यान भंडारण की वैज्ञानिक विधि ।	26 मई 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. गन्ना में अगोला बेधक कीट का प्रबन्धन ।	27 जून 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
<b>द्वितीय (जुलाई 2017 से सितम्बर 2017 तक)</b>						
फसलोत्पादन	1. फसलोत्पादन पर जल घुलनशील उर्वरकों का महत्व एवं प्रयोग विधि ।	11 अगस्त 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
मृदा विज्ञान	1. मृदा स्वास्थ्य हेतु नेडप व वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग ।	19 सितम्बर 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. धान फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का प्रयोग ।	23 सितम्बर 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप सुरक्षा	1. उर्द में मौजेक बीमारी का नियंत्रण तकनीकी ।	27 जुलाई 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. खरीफ की फसलों में आइ.पी.एम. तकनीकी ।	25 सितम्बर 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या	
					पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6	7
तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2017 से दिसम्बर 2017 तक)						
फसलोत्पादन	1. पछेते गेहू की उत्पादन तकनीकी ।	22 नवम्बर 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
मृदा विज्ञान	1. गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	10 नवम्बर 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप सुरक्षा	1. रबी की फसलों व सब्जियों में आईपी. एम. तकनीकी ।	24 अक्टू 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
	2. रसायनों के चयन व प्रयोग में सावधानियाँ ।	07 दिसम्बर 2017	1	राजकीय बीज भंडार बिलारी	10	—
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	30 नवम्बर 2017	1	केन्द्र पर	10	—

### 3.5 प्रायोजित कार्यक्रम

1	कृषक भ्रमण विश्वविद्यालय किसान मेला में 07.10.2017	01	50	—	50	—	—	—	50
	योग	01	50	—	50	—	—	—	50

### 3.6 अन्य प्रसार कार्यक्रम तथा अन्य विभागों के साथ कार्यक्रम

#### (i) अन्य प्रसार कार्यक्रम

क्र.स.	गतिविधियां	कार्यक्रमों की संख्या	लाभार्थी कृषक	प्रसार कार्यकर्ता	योग
1	प्रक्षेत्र दिवस	05	129	—	129
2	कृषक गोष्ठी	—	—	—	—
3	किसान मेला	01	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
4	किसान सम्मान समारोह	—	—	—	—
5	कृषकों का परिसर पर भ्रमण (सलाहकार सेवाये)	336	629	—	629
6	वैज्ञानिकों का कृषकों के यहा भ्रमण	225	1763	—	1763
7	समाचार पत्रों में केन्द्र की प्रेस विज्ञप्ति	38	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
8	रिसर्च पेपर	02	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
9	लेख (कृषि साहित्य)	05	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
10	रेडियो वार्ता	07	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
11	टी0वी0 कार्यक्रम	02	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
12	फिल्म शो	28	जनसमूह	जनसमूह	जनसमूह
13	<b>महत्वपूर्ण दिवस</b>				
i	विश्व मधुमक्खी दिवस	01	75	—	75
ii	संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम	01	805	25	830
iii	“स्वच्छता ही सेवा” जागरूकता अभियान	04	1065	—	1065
iv	गाजर घास उन्नमूलन कार्यक्रम	01	55	—	55
v	महिला किसान दिवस	01	75	—	75
vi	कृषि शिक्षा दिवस	01	100	—	100
vii	विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस	01	102	11	113
14	अन्य विभागों के कार्यक्रम में प्रतिभागिता	92	9960	214	10174
	योग	751	14758	250	15008

### 3.7 बीज / पौध का उत्पादन तथा उसका किसानों को विक्रय

(क) धान्य फसलें (बीज उत्पादन)–

क्र.स.	फसल	प्रजाति	मात्रा (कु0)
1	गेहूँ (2016–17)	डब्लू एच0 – 1105	305.95
		डी0बी डब्लू0 – 90	185.70
2.	उर्द (खरीफ 2017)	पी0यू0 – 31	–
		योग	491.65

(ख) पौध उत्पादन एवं बिक्री

क्र.स.	फसल	केन्द्र पर रोपित/उत्पादित किये पौधों की संख्या	आय	लाभार्थी
1	आम, बेल	100	–	–
	कुल योग	100		

### 3.8 चक्रीय निधि विवरण

01 अप्रैल 2017 – रू0 15,597.86

16 दिसम्बर 2017 – रू0 14,19,940.50

नोट – विश्वविद्यालय द्वारा रू0 8.00 लाख की एफ0डी0 करायी गयी है एवं वर्ष 2015–16 में प्रक्षेत्र पर उत्पादित गेहूँ बीज का रू0 4.0 लाख एन0एस0सी0, मेरठ द्वारा दिनांक 31 मार्च 2017 तक जमा नहीं किया गया ।

# कार्यसूची – 4

## वर्ष 2018–19 हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम

(अप्रैल 2018 से मार्च 2019)

प्रक्षेत्र परीक्षण		प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	
1		2	
प्रक्षेत्र परीक्षण की संख्या	कृषकों की संख्या	प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)
लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
10	44	165	66.0

### एन०एफ०एस०एम० के योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन का विवरण

प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	
1	
प्रथम पंक्ति प्रदर्शन	प्रदर्शन क्षेत्रफल (हे०)
लक्ष्य	लक्ष्य
150	60.0

प्रशिक्षण		प्रसार गतिविधियां	
3		4	
प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी	गतिविधियाँ	लाभार्थी
लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
145	2390	500	4000

बीज उत्पादन	पौध
5	6
लक्ष्य (कु०)	लक्ष्य
200	20000

## 4.1 प्रक्षेत्र परीक्षण (ओ.एफ.टी.)

केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा जनपद में निम्न प्रयोग प्रदर्शन प्रस्तावित हैं

क्र.सं	फसल	विषय क्षेत्र	विषय	प्रयोग एवं दर	क्षेत्रफल (हे०)	कृषकों की संख्या	कृषि निवेश	कुल लागत (रु०)
<b>1. फसलोत्पादन</b>								
1	गन्ना (बसन्तकालीन – 2019)	एकीकृत फसल प्रबन्धन	बसन्तकालीन गन्ना + उर्द सहफसल का एकल गन्ना के साथ मूल्यांकन	T <sub>1</sub> : कृषक पद्धति— एकल गन्ना  T <sub>2</sub> : गन्ना + उर्द	0.6	03	उर्द बीज— @ 15 किग्रा० / हे०.	2500
2	धान (खरीफ – 2018)	एकीकृत खरपतवार प्रबन्धन	धान फसल में खरपतवार प्रबन्धन	T <sub>1</sub> : कृषक पद्धति— प्रेटीलाक्लोर 5 ई०सी० T <sub>2</sub> : क्लोरीम्यूरान + मेटसल्फ्यूरान 20 डब्लू०पी० @ 20 ग्रा० / हे०.	0.60	05	क्लोरीम्यूरान + मेटसल्फ्यूरान 20 डब्लू०पी० @ 20 ग्रा० / हे०.	1500
<b>2. उद्यान विज्ञान</b>								
1	टमाटर (रबी 2018-19)	प्रजातीय मूल्यांकन	टमाटर की प्रजातियों का विश्लेषण	T <sub>1</sub> : कृषक पद्धति— (नवीन टमाटर)  T <sub>2</sub> : स्वर्णना विजय / दीप्ति	0.25	05	टमाटर बीज प्रत्येक प्रजाति का 25+25 ग्राम एक क्षेत्र के लिये दिया जाना है।	10,000
2.	प्याज (रबी 2018-19)	प्रजातीय मूल्यांकन	प्याज की प्रजातियों का विश्लेषण	T <sub>1</sub> : कृषक पद्धति— (एन० – 53)  T <sub>2</sub> : उन्नतशील प्रजातियों भीमारेड (लाल) / भीमा डार्क लाल	0.15	03	प्रत्येक क्षेत्र के लिये 3 किग्रा० बीज दिया जाना है।	5,000
<b>3. मृदा विज्ञान</b>								
1	धान (खरीफ – 2018)	पोषक तत्व प्रबन्धन	मृदा परीक्षण के आधार पर धान फसल में पोषक तत्वों का मूल्यांकन	T <sub>1</sub> —कृषक पद्धति (120:40:0:0)  T <sub>2</sub> — मृदा परीक्षण के आधार पर पोषक तत्व प्रबन्धन	0.40	05	फास्फोरस तथा पोटाश – 140 किग्रा० डी०ए०पी० + एम०ओ०पी० – 50 किग्रा०,	3500
2	गेहूँ (रबी 2018-19)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	मृदा परीक्षण के आधार पर गेहूँ फसल में पोषक तत्वों का मूल्यांकन	T <sub>1</sub> —कृषक पद्धति (120:60:45:0:0) T <sub>2</sub> — मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरको का प्रयोग	0.40	05	फास्फोरस तथा पोटाश डी.ए.पी. – 130 किग्रा० एम०ओ०पी० – 60 किग्रा० / हे०	3500
<b>4. फसल सुरक्षा</b>								
1	धान (खरीफ 2018)	कीट प्रबंधन	धान में पत्ती लपेटक कीट का नियंत्रण	T <sub>1</sub> —कृषक पद्धति (क्विवानलफॉस 25 ई.सी. @ 1.5 ली० / हे०)  T <sub>2</sub> —प्लूबेन्डामाइड 39.35एस.सी. @ 125 ml/ha.	1.6	04	—प्लूबेन्डामाइड 39.35एस.सी. @ 125 ml/ha.	2500

क्र.सं	फसल	विषय क्षेत्र	विषय	प्रयोग एवं दर	क्षे. प्रति प्रदर्शन(हे0)	कृषकों की संख्या	कृषि निवेश	कुल लागत (रु0)
2	गन्ना (जायद 2019)	कीट प्रबन्धन	गन्ना में अगेती प्ररोह बेधक कीट का नियंत्रण	T <sub>1</sub> -कृषक पद्धति(क्लोरोपाइरीफॉस 20 ई.सी.@ 3.0 lt./ha) T <sub>2</sub> - क्लोरएन्ट्रानिलप्रोल 18.5 SC @ 375ml/ha	1.6	04	क्लोरएन्ट्रानिलप्रोल 18.5 SC @ 375ml/ha	4500
<b>5. पादप प्रजनन</b>								
1	धान खरीफ 2018	प्रजातीय मूल्यांकन	धान की उन्नत प्रजाति का मूल्यांकन	T <sub>1</sub> -कृषक पद्धति स्थानीय प्रजाति / शरबती T <sub>2</sub> - वैज्ञानिक पद्धति पी0डी0 -25/अन्य नई प्रजाति	1.0	05	धान का बीज	3000
2	गेहूँ (रबी 2018-19)	प्रजातीय मूल्यांकन	गेहूँ की देर से बोई जाने वाली उन्नत प्रजाति का मूल्यांकन	T <sub>1</sub> - कृषक पद्धति (PBW 373) T <sub>2</sub> - वैज्ञानिक पद्धति (DBW - 90)/अन्य नई प्रजाति	1.0	05	गेहूँ का बीज	5000

## 4.2 प्रदर्शनों के आयोजन हेतु प्रस्ताव

### 4.2.1 एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत समूह दलहन/तिलहन प्रदर्शन – वर्ष 2018-19 के लिए प्रथम पंक्ति प्रदर्शन

क्र० सं०	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीकी	कृषि निवेश	ऋतु व वर्ष	क्षेत्रफल (हे०)	प्रदर्शन संख्या	चिन्हित मापदण्ड
1	सरसों	एकीकृत फसल प्रबन्धन	उन्नत प्रजाति (आर.जी.एन. -48 / उपलब्धतानुसार) के साथ सल्फर, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन	<ul style="list-style-type: none"> <li>- उन्नत प्रजाति</li> <li>- जलघुलनशील उर्वरक (18:18:18) @ 5.0 किग्रा०/हे०</li> <li>- गंधक @ 25 किग्रा०/हे०</li> <li>- मोनोक्रोटोफास 1.5 ली०/हे०</li> <li>- डाइथेन एम - 45 2.0 किग्रा०/हे०</li> </ul> <b>कुल व्यय - ₹० 1,20000</b>	रबी 2018-19	20.0	50	<ul style="list-style-type: none"> <li>- उपज (कु०/हे०)</li> <li>- लाभ</li> <li>- आय व्यय अनुपात</li> </ul>
2	उर्द	एकीकृत फसल प्रबन्धन,	उन्नत प्रजाति (पी०यू० -31 / उपलब्धतानुसार) के साथ पोषक तत्व, खरपतवार, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन	<ul style="list-style-type: none"> <li>- उन्नत प्रजाति का बीज (पी०यू०-31)/ उपलब्धतानुसार</li> <li>- इमेजाथाइपर @ 625 मिली०/हे०</li> <li>- जलघुलनशील उर्वरक (18:18:18) @ 5.0 किग्रा०/हे०</li> <li>- गंधक @ 25 किग्रा०/हे०</li> <li>- एमीडाक्लोरपिड @ 250 मिली०/हे०</li> </ul> <b>कुल व्यय - ₹० 1,50000</b>	खरीफ 2018	20.0	50	<ul style="list-style-type: none"> <li>- उपज (कु०/हे०)</li> <li>- लाभ</li> <li>- आय व्यय अनुपात</li> </ul>
2	मसूर	- एकीकृत फसल प्रबन्धन	- उन्नत प्रजाति पी०एल० - 8 / (उपलब्धतानुसार) के साथ पोषक तत्व, कीट एवं बीमारी प्रबन्धन	<ul style="list-style-type: none"> <li>- बीज पी०एल० - 8 या (उपलब्धतानुसार)</li> <li>- गंधक @ 25 किग्रा०/हे०</li> <li>- जलघुलनशील उर्वरक (18:18:18) @ 5.0 किग्रा०/हे०</li> <li>- डाइथेन एम - 45 2.0 किग्रा०/हे०</li> <li>- मोनोक्रोटोफास 36% 1.5 ली०/हे०</li> </ul> <b>कुल व्यय - ₹० 1,50000.00</b>	रबी 2018-19	20.0	50	<ul style="list-style-type: none"> <li>- उपज (कु०/हे०)</li> <li>- लाभ</li> <li>- आय व्यय अनुपात</li> </ul>

**एन0एफ0एस0एम0 योजनान्तर्गत क्लस्टर प्रदर्शन -**

क्रम.सं0	फसल	क्षेत्रफल (हे0)	कृषक की सं0
1	उर्द (खरीफ - 2018)	20.0 हे0	50
2	मसूर (रबी 2018-19)	20.0 हे0	50
3	सरसों (रबी 2018-19)	20.0 हे0	50
	<b>कुल योग</b>	<b>60.0 हे0</b>	<b>150</b>

**4.2.2 प्रथम पंक्ति प्रदर्शन (अन्य) –  
(अप्रैल 2018 से मार्च 2019 तक)**

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
<b>1. फसलोत्पादन</b>								
1	धान ( खरीफ 2018)	खरपतवार प्रबन्धन	धान में पाइरोजोसलफयूरान 10 डब्लू०पी० 145 ग्रा०/हे० द्वारा खरपतवार प्रबन्धन	एन०डी०आर० 359 पूसा – 1509 / उपलब्धतानुसार	15	6.0	पाइरोजोसलफयूरान	10000
2	गेहूँ ( रबी 2018-19)	खरपतवार प्रबन्धन	गेहूँ फसल में सल्फो सलफयूरान 75% + मैटसलफयूरान मिथाइल 5% @ 40ग्राम/हे० द्वारा खरपतवार नियंत्रण	डी०बी० डब्लू 621-50 / एच०डी० – 2967 उपलब्धतानुसार	10	4.0	सल्फो सलफयूरान 75% + मैटसलफयूरान मिथाइल 5% @ 40ग्राम/हे०	12000
3	गन्ना (जायद – 2019)	खरपतवार प्रबन्धन	मैट्रीब्यूजन @ 1 किग्रा०/हे० खरपतवारनाशी द्वारा खरपतवार प्रबन्धन	को० – 0238	15	6.0	मैट्रीब्यूजन 75 डब्लू०पी० @ 1 किग्रा०/हे०	15000

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
<b>2. उद्यान विज्ञान</b>								
1	मूली (खरीफ 2018)	प्रजातीय प्रदर्शन	जैविक खेती का प्रदर्शन	पर्पल कलर मूली या पालक पत्ता / उपलब्धतानुसार	05	2.0	प्रति प्रदर्शन 01 किलो० बीज कुल बीज मात्रा 5 किलो०	5000
2	गाजर (रबी 2018-19)	प्रजातीय प्रदर्शन	लाल गाजर की फसल का उत्पादन लेने हेतु प्रदर्शन	लाल गाजर / उपलब्धतानुसार	05	2.0	प्रति प्रदर्शन 01 किलो० बीज कुल बीज मात्रा 5 किलो०	6000

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
<b>3. मृदा विज्ञान</b>								
1.	धान (खरीफ 2018)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन का प्रदर्शन	धान में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग (12.5 किग्रा०/हे०)	पूसा –1509	15	6.0	18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/हे० @ 75/ Kg मूल्य– 937.50/हे०	5625 / –
2.	गेहूँ (रबी – 2018-19)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	गेहूँ में जल विलेय उर्वरको का प्रयोग प्रदर्शन (12.5 किग्रा०/हे०)	एच०डी० 2967	15	6.0	18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/हे० @ 75/ Kg मूल्य– 937.50/हे०	5625 / –
3.	गन्ना (जायद – 2019)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	गन्ने में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग (12.5 किग्रा०/हे०)	कोशा – 0238	15	6.0	18:18:18 एन.पी.के. 12.5 किग्रा०/हे० @ 75/ Kg मूल्य– 937.50/हे०	5625 / –
4.	गन्ना (जायद – 2019)	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	गन्ने में द्वितीय पोषक तत्व सल्फर का प्रयोग (30 किग्रा०/हे०)	कोशा – 0238	10	4.0	सल्फर – 30 किग्रा/हे० @ 50/ Kg Rs. 1500/ha. कुल – 6000.00	6000 / –

#### 4. फसल सुरक्षा

क्र. सं.	फसल	विषय क्षेत्र	प्रदर्शित तकनीक	प्रजाति	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)	कृषि निवेश	कुल व्यय (रु०)
1	धान (खरीफ 2018)	कीट प्रबन्धन	धान में तना छेदक कीट का नियंत्रण	हाईब्रिड/अन्य प्रजाति	10	4.0	क्लोरएन्ट्रनिलप्रोल 0.4 जी० @ 10 किग्रा०/हे०	8000
2	धान (खरीफ 2018)	कीट प्रबन्धन	धान में भूरा फुदका कीट का नियंत्रण	हाईब्रिड/अन्य प्रजाति	10	4.0	बुप्रोफेजिन 25 एस.सी. @ 1 ली०/हे० (दो छिड़काव) कुल - 8 ली०	8000
3	मेंथा जायद (2019)	कीट प्रबंधन	मेंथा में कीट नियंत्रण	कोसी/अन्य	10	4.0	इमामेक्टिन बेन्जोएट 5 एस.जी. @ 250 ग्रा०/हे० (दो छिड़काव)	10000

#### 5. पादप प्रजनन

1.	धान (खरीफ 2018)	प्रजातीय प्रदर्शन	धान की अधिक उत्पादन देने वाली प्रजाति का प्रदर्शन	PD – 23/अन्य नई प्रजाति	05	2.0	धान का बीज	7000
2	धान (खरीफ 2018)	प्रजातीय प्रदर्शन	धान-गेहूँ पद्धति में बासमती धान की अधिक उत्पादन वाली प्रजाति का प्रदर्शन	Pant Basmati – 2/अन्य नई प्रजाति	05	2.0	धान का बीज	7000
3	गेहूँ (रबी 2018-19)	प्रजातीय प्रदर्शन	समय से बोई जाने वाली अधिक उपज वाली प्रजाति का प्रदर्शन	डीबीडब्लू – 621-50	10	4.0	गेहूँ का बीज	6000
4	गेहूँ (रबी 2018-19)	प्रजातीय प्रदर्शन	देर से बोई जाने वाली प्रजाति का प्रदर्शन	पीबीडब्लू – 590 /अन्य नई प्रजाति	10	4.0	गेहूँ का बीज	6000

## 4.3 प्रशिक्षण

वर्ष 2018-19 हेतु कृषक, कृषक महिलाओं, ग्रामीण युवकों/युवतियों तथा प्रसार कार्यकर्त्ताओं हेतु प्रस्तावित प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नवत है :-

### प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण

क्र० सं०	विभाग	कृषक युवक एवं युवतियों को प्रशिक्षण		ग्रामीण युवक एवं युवतियों हेतु	प्रसार कार्यकर्त्ता	कुल योग
		केन्द्र पर	केन्द्र के बाहर			
1	फसल उत्पादन	10	13	02	08	33
2	उद्यान विज्ञान	10	11	05	05	31
3	मृदा विज्ञान	08	08	03	05	24
4	फसल सुरक्षा	06	08	02	08	24
5	पादप प्रजनन	08	08	04	08	28
6	कृषि प्रसार	02	02	—	01	05
	<b>कुल योग</b>	<b>44</b>	<b>50</b>	<b>16</b>	<b>35</b>	<b>145</b>

**(अ) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र पर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	दिनांक	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6

प्रथम तिमाही (अप्रैल 2018 से जून 2018 तक)					
फसलोत्पादन	1. गन्ना पैड़ी प्रबन्धन ।	06 अप्रैल, 2018	1	18	2
	2. धान नर्सरी प्रबन्धन ।	21 मई 2018	1	18	2
	3. धान की सीधी बुवाई का महत्व एवं उत्पादन तकनीक ।	23 मई, 2018	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. अच्छे स्वास्थ्य के लिये सब्जी की जैविक खेती ।	02 अप्रैल 2018	1	18	2
	2. आर्थिक लाभ के लिये मूली की खेती ।	3 मई 2018	1	18	2
	3. नये आम के बाग हेतु पौध रोपण ।	3 जून 2018	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा नमूने एकत्र करने की विधि ।	15 मई 2018	1	20	—
	2. धान नर्सरी में जैविक उर्वरकों का प्रयोग ।	16 जून 2018	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. मैथा की फसल में एकीकृत कीट, बीमारी प्रबन्धन ।	18 अप्रैल, 2018	1	17	3
पादप प्रजनन	1. धान की नई प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	9 मई, 2018	1	17	3
	2. मूंग एवं उर्द की नई प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	13 जून, 2018	1	17	3
कृषि प्रसार	1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	21 मई 2018	1	18	2

### द्वितीय तिमाही (जुलाई 2018 से सितम्बर 2018 तक)

फसलोत्पादन	1. धान की वैज्ञानिक खेती ।	06 जुलाई 2018	1	18	2
	2. धान में खरपतवार प्रबन्धन ।	25 जुलाई 2018	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. स्वच्छ और पौष्टिक सब्जियों का उत्पादन ।	2 जुलाई 2018	1	18	2
	2. आर्थिक लाभ हेतु टमाटर फसल उत्पादन ।	3 अगस्त 2018	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. धान में जल विलेय उर्वरको का महत्व ।	18 जुलाई 2018	1	20	—
	2. धान में यूरिया एवं जिंक के पर्णीय छिड़काव का महत्व	19 सितम्बर 2018	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. धान में एकीकृत कीट प्रबन्धन ।	16 अगस्त 2018	1	17	3
	2. धान में एकीकृत रोग प्रबन्धन ।	18 सितम्बर 2018	1	17	3
पादप प्रजनन	1. बासमती धान की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	3 जुलाई 2018	1	17	3
	2. सरसों एवं तोरिया की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	18 सितम्बर 2018	1	17	3
कृषि प्रसार	1. कृषकों की सामाजिक अर्थिक उत्थान में ज्ञान व सूचना की भूमिका ।	15 सितम्बर 2018	1	18	2

### तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2018 से दिसम्बर 2018 तक)

फसलोत्पादन	1. सरसों फसल में सल्फर एवं विरलीकरण का महत्व ।	07 अक्टूबर 2018	1	18	2
	2. मृदा में जीवांश बढ़ाने में फसल अवशेष का उपयोग एवं महत्व ।	10 अक्टूबर 2018	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. गाजर उत्पादन तकनीक ।	25 अक्टूबर 2018	1	18	2
	2. मिर्च उत्पादन तकनीक ।	25 नवम्बर 2018	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा स्वास्थ्य हेतु नेडप तथा वर्मी कम्पोस्ट का प्रयोग ।	21 अक्टूबर 2018	1	20	—
	2. रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व ।	30 नवम्बर 2018	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. सरसों की फसल में एकीकृत कीट, बीमारी प्रबन्धन ।	16 नवम्बर 2018	1	17	3
पादप प्रजनन	1. समय से बुवाई हेतु गेहूँ की नई प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	1 नवम्बर 2018	1	17	3
	2. देर से बुवाई हेतु गेहूँ की नई प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	20 नवम्बर 2018	1	17	3

**चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2019 से मार्च 2019 तक)**

फसलोत्पादन	1. मैथा में एकीकृत फसल उत्पादन तकनीक ।	21 जनवरी 2019	1	18	2
	2. मृदा में जीवांश बढ़ाने में फसल अवशेष का उपयोग एवं महत्व ।	21 मार्च 2019	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. औषधीय फसल सतावर की खेती ।	8 जनवरी 2019	1	18	2
	2. अदरख फसल उत्पादन ।	6 फरवरी 2019	1	18	2
	3. लोटनल का पौध नर्सरी और सब्जी उत्पादन में महत्व ।	6 मार्च 2019	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. गेहूँ में जल विलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	10 जनवरी 2019	1	20	—
	2. गन्ने में सूक्ष्म पोषक तत्वों के प्रबन्धन का महत्व ।	18 फरवरी 2019	1	20	—
फसल सुरक्षा	1. रबी दलहनी फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन तकनीक ।	16 जनवरी 2019	1	17	3
	2. गन्ने में एकीकृत रोग प्रबन्धन ।	19 मार्च 2019	1	17	3
पादप प्रजनन	1. मेन्था की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	9 जनवरी 2019	1	17	3
	2. मक्का की उन्नत प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादक तकनीकी ।	5 फरवरी 2019	1	17	3

**(ब) कृषक युवक एवं युवतियों हेतु (केन्द्र से बाहर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	दिनांक	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6

**प्रथम तिमाही (अप्रैल 2018 से जून 2018 तक)**

फसलोत्पादन	1. पछेती गन्ना फसल की उत्पादन तकनीक ।	4 मई 2018	1	18	2
	2. बासमती धान की उत्पादन तकनीकी ।	30 जून, 2018	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. केला पौध रोपण की तकनीक ।	4 अप्रैल 2018	1	18	2
	2. वैज्ञानिक विधि से पपीता की पौध उगाना ।	10 मई 2018	1	18	2
	3. औषधीय एवं सगंध फसल उत्पादन तकनीक ।	12 जून 2018	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण का उद्देश्य ।	25 अप्रैल, 2018	1	16	4
	2. गन्ने में सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी के लक्षण ।	20 मई, 2018	1	16	4
फसल सुरक्षा	1. रसायनों के प्रयोग एवं चयन में सावधानियां व इनका घोल बनाने की तकनीक ।	28 अप्रैल 2018	1	17	3
	2. गन्ना में एकीकृत कीट प्रबन्धन ।	23 मई, 2018	1	17	3
पादप प्रजनन	1. धान की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	16 मई, 2018	1	17	3
	2. उर्द एवं मूंग की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	14 जून, 2018	1	17	3
कृषि प्रसार	1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	10 जून 2018	1	18	2

**द्वितीय तिमाही (जुलाई 2018 से सितम्बर 2018 तक)**

फसलोत्पादन	1 उर्द फसल की उत्पादन तकनीकी ।	3 अगस्त 2018	1	18	2
	2. शरदकालीन गन्ना के साथ सहफसली उत्पादन तकनीक ।	12 सितम्बर 2018	1	18	2
	3. आलू में की वैज्ञानिक खेती ।	19 सितम्बर, 2018	1	18	2
	4. सरसों फसल में गंधक एवं विरलीकरण का महत्व ।	27 सितम्बर 2018	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. अमरूद के पुराने बाग में काट-छांट तकनीक ।	5 जुलाई 2018	1	18	2
	2. आम के पुराने बागों का जीर्णोधार ।	8 सितम्बर 2018	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा परीक्षण के आधार पर सन्तुलित उर्वरकों का प्रयोग ।	17 जुलाई 2018	1	16	4
	2. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	31 अगस्त 2018	1	16	4
फसल सुरक्षा	1. खरीफ की फसलों में दीमक प्रबन्धन ।	20 जुलाई 2018	1	17	3
	2. उर्द की फसल में एकीकृत कीट बीमारी प्रबन्धन ।	24 जुलाई 2018	1	17	3
पादप प्रजनन	1. मेंथा की सकर उत्पादन तकनीकी	11 जुलाई 2018	1	17	3
	2. सरसों एवं तोरियों की नई प्रजातियाँ एवं उत्पादन तकनीकी ।	29 अगस्त 2017	1	17	3
	3. गन्ने की नई प्रजातियाँ एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	20 सितम्बर 2018	1	17	3
कृषि प्रसार	कृषि उन्मूलन हेतु उ.प्र. सरकार की विभिन्न योजनाये	17 सितम्बर 2018	1	18	2

**तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2018 से दिसम्बर 2018 तक)**

फसलोत्पादन	1. मसूर फसल की उत्पादन तकनीक । 2. समय से बोये गेहूँ की उत्पादन तकनीकी । 3. गेहूँ की फसल में खरपतवार प्रबंधन । 3. पछेती गेहूँ की उत्पादन तकनीकी ।	11 अक्टूबर 2018 25 अक्टूबर 2018 27 नवम्बर, 2018 04 दिसम्बर 2018	1 1 1 1	18 18 18 18	2 2 2 2
उद्यान विज्ञान	1. वैज्ञानिक तकनीक से गेंदा उत्पादन । 2. प्याज की उन्नत प्रजातियों एवं उत्पादन तकनीक । 3. आम के पुराने बागों में एन.पी.के. एवं एफ.वाई.एम. का प्रयोग ।	17 अक्टूबर 2018 17 नवम्बर 2018 18 दिसम्बर 2018	1 1 1	18 18 18	2 2 2
मृदा विज्ञान	1. खरीफ फसलों में जल विलेय उर्वरकों का महत्व । 2. रबी फसलों में जैव उर्वरकों का प्रयोग ।	21 अक्टूबर 2018 16 नवम्बर 2018	1 1	16 16	4 4
फसल सुरक्षा	1. मसूर की फसल में एकीकृत कीट प्रबन्धन । 2. आलू में अगेती एवं पछेती झुलसा का प्रबन्धन ।	20 नवम्बर 2018 18 दिसम्बर 2018	1 1	17 17	3 3
पादप प्रजनन	1. गेहूँ की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी । 2. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी	6 नवम्बर 2018 21 नवम्बर 2018	1 1	17 17	3 3

**चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2019 से मार्च 2019 तक)**

फसलोत्पादन	1. मेंथा फसल की वैज्ञानिक खेती ।	15 जनवरी 2019	1	18	2
	2. गन्ना पेडी का प्रबन्धन	28 जनवरी 2019	1	18	2
	2. बसन्तकालीन गन्ने के साथ सहफसली खेती की उत्पादन तकनीकी ।	03 फरवरी 2019	1	18	2
उद्यान विज्ञान	1. सब्जी की फसल में एग्रामिन का पर्णय छिडकाव ।	7 जनवरी 2019	1	18	2
	2. सब्जी की फसल में एफ.वाई.एम. का महत्व ।	15 फरवरी 2019	1	18	2
	3. नीम पाउडर खाद का फलदार फसलों में महत्व ।	14 मार्च 2019	1	18	2
मृदा विज्ञान	1. रबी फसलों में सूक्ष्म पोषक तत्वों का महत्व ।	11 जनवरी 2019	1	16	4
	2. गेहूँ की फसल में जल विलेय उर्वरकों का पर्णय छिडकाव ।	20 जनवरी 2019	1	16	4
फसल सुरक्षा	1. मेंथा की फसल में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन तकनीक ।	22 जनवरी 2019	1	17	3
	2. जायद की फसलों में बीज उपचार तकनीक एवं इसका महत्व ।	12 फरवरी 2019	1	17	3
पादप प्रजनन	1. मेंथा की उन्नत प्रजातियों एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	23 जनवरी 2019	1	17	3

**(स) ग्रामीण युवक एवं युवतियों को रोजगार परक प्रशिक्षण (केन्द्र पर एवं केन्द्र के बाहर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6
<b>प्रथम तिमाही (अप्रैल 2018 से जून 2018 तक)</b>					
फसलोत्पादन	1. नील हरित शैवाल एवं एजोला की उत्पादन तकनीकी ।	04-09 जून 2018	6	8	2
उद्यान विज्ञान	1. अच्छे स्वास्थ्य लाभ हेतु जैविकीय उर्वरक द्वारा सब्जी उत्पादन ।	16-21 अप्रैल 2018	6	8	2
	2. अमरुद / आंवला के पुराने बागों की काट - छॉट पर प्रशिक्षण ।	14-19 मई 2018	6	8	2
मृदा विज्ञान	1. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	15-20 जून 2018	6	8	2
पादप प्रजनन	1. धान की बीज उत्पादन तकनीकी ।	21-26 मई 2018	6	8	2
	2. धान की बीज उत्पादन तकनीकी ।	18-23 जून 2018	6	8	2
<b>द्वितीय तिमाही (जुलाई 2018 से सितम्बर 2018 तक)</b>					
फसलोत्पादन	1. नील हरित शैवाल एवं एजोला की उत्पादन तकनीकी ।	13-18 अगस्त 2018	6	8	2
<b>तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2018 से दिसम्बर 2018 तक)</b>					
उद्यान विज्ञान	1. उन्नतशील आलू प्रजातियों का उत्पादन ।	15-20 अक्टूबर 2018	6	8	2
	2. संरक्षित नर्सरी प्रबन्धन तकनीक से सब्जी फसल की खेती ।	12-17 नवम्बर 2018	6	8	2
मृदा विज्ञान	1. वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक ।	17-22 अक्टूबर 2018	6	8	2
पादप सुरक्षा	1. मधुमक्खी पालन तकनीक ।	15-20 अक्टूबर 2018	6	8	2
पादप प्रजनन	1. गेहूं की बीज उत्पादन तकनीकी ।	22-27 अक्टूबर 2018	6	7	3
	2. गेहूं की बीज उत्पादन तकनीकी ।	12-17 नवम्बर 2018	6	7	3

चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2019 से मार्च 2019 तक)					
उद्यान विज्ञान	1. मधुमक्खी पालन तकनीकी व्यवसाय।	11-16 फरवरी 2019	6	8	2
मृदा विज्ञान	1. नेडप एवं वर्मी कम्पोस्ट उत्पादन तकनीक।	18-23 फरवरी 2019	6	10	—
पादप सुरक्षा	1. मधुमक्खी पालन तकनीक।	18-23 फरवरी 2019	6	8	2

**(द) सेवाकालीन प्रसार कार्यकर्ताओं हेतु प्रशिक्षण (केन्द्र पर /केन्द्र से बाहर)**

विषय	प्रशिक्षण का विषय	माह	अवधि (दिन)	प्रतिभागियों की संख्या	
				पुरुष	महिलाएं
1	2	3	4	5	6
<b>प्रथम तिमाही (अप्रैल 2018 से जून 2018 तक)</b>					
फसलोत्पादन	1. पछेती गन्ना फसल की उत्पादन तकनीकी।	11 मई 2018	1	8	2
	1. धान की सीधी बुवाई की उत्पादन तकनीक (DSR)।	2 जून 2018	1	8	2
उद्यान विज्ञान	1. गेंदा उत्पादन की तकनीकी पर प्रशिक्षण।	4 अप्रैल 2018	1	8	2
	2. अरबी (घुइयों) की बुवाई तकनीक।	8 मई 2018	1	8	2
मृदा विज्ञान	1. धान में जैव उर्वरकों का प्रयोग	26 जून 2018	1	8	2
पादप सुरक्षा	1. खाद्यान भंडारण की तकनीकी।	28 मई 2018	1	8	2
	2. गन्ना में चोटी बेधक कीट का प्रबन्धन	27 जून 2018	1	8	2
पादप प्रजनन	1. धान का बीज उत्पादन तकनीकी।	27 जून 2018	1	8	2
	2. उर्द का प्रजातीय विवरण।	28 जून 2018	1	8	2
कृषि प्रसार	1. प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना	जून 2018	1	8	2

द्वितीय (जुलाई 2018 से सितम्बर 2018 तक)					
फसलोत्पादन	1. जलघुलनशील उर्वरकों का महत्व एवं उपयोग ।	10 अगस्त 2018	1	8	2
	2. फसल उत्पादन में जैव उर्वरकों का महत्व ।	21 अगस्त 2018	1	8	2
उद्यान विज्ञान	1. सतावर (औषधीय) पौधों के रोपण की तकनीकी प्रशिक्षण ।	12 जुलाई 2018	1	8	2
	2. सब्जियों में एग्नोमिन का पर्णिय छिडकाव ।	16 अगस्त 2018	1	8	2
मृदा विज्ञान	1. तिलहनी फसलों में सल्फर का प्रयोग ।	10 अगस्त 2018	1	8	2
पादप सुरक्षा	1. उर्द की फसल में मोजेक रोग नियंत्रण ।	14 अगस्त 2018	1	8	2
	2. खरीफ की फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन ।	25 सितम्बर 2018	1	8	2
पादप प्रजनन	1. बासमती धान का प्रजातीय विवरण ।	3 जुलाई 2018	1	8	2
	2. गन्ने का प्रजातीय विवरण ।	29 सितम्बर 2018	1	8	2

तृतीय तिमाही (अक्टूबर 2018 से दिसम्बर 2018 तक)					
फसलोत्पादन	1. तिलहनी फसलों में गंधक का महत्व एवं उपयोग ।	07 अक्टू 2018	1	8	2
	1. पछेती गेहूँ फसल की उत्पादन तकनीकी ।	01 दिसम्बर 2018	1	8	2
उद्यान विज्ञान	1. रबी मौसम में सब्जियों की उत्पादन तकनीक ।	17 अक्टूबर 2018	1	8	2
मृदा विज्ञान	1. गेहूँ में जलविलेय उर्वरकों का प्रयोग ।	10 नवम्बर 2018	1	8	2

पादप सुरक्षा	1. रबी की सब्जियों में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन ।	24 अक्टूबर 2018	1	8	2
	2. रसायनों के चयन व प्रयोग में सावधानिया ।	28 नवम्बर 2018	1	8	2
	3. रबी दलहनी फसलों में एकीकृत कीट बीमारी प्रबन्धन ।	21 दिसम्बर 2018	1	8	2
पादप प्रजनन	1. समय से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	16 अक्टूबर 2018	1	8	2
	2. अलसी का प्रजातीय विवरण	05 नवम्बर 2018	1	8	2
	3. देर से बोई जाने वाली गेहूँ की उन्नत प्रजातियां एवं उनकी उत्पादन तकनीकी ।	29 नवम्बर 2018	1	8	2

### चतुर्थ तिमाही (जनवरी 2019 से मार्च 2019 तक)

फसलोत्पादन	1. गेहूँ + मैथा सहफसली खेती की उत्पादन तकनीकी ।	10 फरवरी 2019	1	8	2
	2. बसन्तकालीन गन्ना के साथ सहफसलों की उत्पादन तकनीकी ।	20 फरवरी 2019	1	8	2
उद्यान विज्ञान	1. अदरख की खेती करना ।	20 मार्च 2019	1	8	2
मृदा विज्ञान	1. मृदा स्वास्थ्य हेतु नेडप व वर्मी कम्पोस्ट का महत्व ।	21 जनवरी 2019	1	8	2
	2. गन्ने में मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों का प्रयोग ।	10 फरवरी 2019	1	8	2
पादप सुरक्षा	1. जायद की फसलों में एकीकृत नाशीजीव प्रबन्धन तकनीक ।	24 जनवरी 2019	1	8	2
पादप प्रजनन	1. मूँग का प्रजातीय विवरण ।	05 मार्च 2019	1	8	2

#### 4.4 प्रक्षेत्र कार्य योजना (वर्ष 2018-19)

क्र.सं.	विवरण	फसल	प्रजाति	क्षेत्रफल(हे०)
1	खरीफ 2018	धान		
		–बीजोत्पादन	पन्त धान – 26, पन्त धान – 27 या अन्य उत्तमप्रजाति उपलब्धतानुसार	8.00
		– बीजोत्पादन	उर्द	5.00
		– प्रदर्शन / परीक्षण	क्राप केफेटेरिया	0.10
		– उद्यान नर्सरी	आम,अमरुद,आंवला,बेल आदि हेतु	0.50
			<b>योग</b>	<b>13.60</b>
2	रबी 2018-19	गेहूं		
		– बीज उत्पादन	डब्लू एच० – 1105, डीबीडब्लू-621-50 / अन्य उत्तमप्रजाति उपलब्धतानुसार	13.00
		– प्रदर्शन / परीक्षण	क्राप केफेटेरिया	0.10
		– उद्यान नर्सरी	आम,अमरुद,आंवला,बेल आदि हेतु	0.50
			<b>योग</b>	<b>13.60</b>

## 4.5 अन्य प्रसार कार्यक्रम

क्र०सं०	गतिविधियाँ	संख्या
1	प्रक्षेत्र दिवस	19
2	किसान गोष्ठी	01
3	किसान मेला	01
4	कृषि प्रदर्शनी	01
5	महत्वपूर्ण दिवस	03
6	मृदा परीक्षण शिविर	02
7	रेडियो वार्ता	05
8	टीवी वार्ता	02
9	लेख	02
10	समाचार पत्रों में लेख	50
11	प्रसार साहित्य	05
12	डाईगिनोस्टिक सेवायें	50
13	केन्द्र पर कृषक भ्रमण	200
14	वैज्ञानिकों का कृषकों के प्रक्षेत्र पर भ्रमण	100
15	कृषि विभाग एवं अन्य विभागों में भागीदारी	20
16	फिल्म शो	25
17	समूह गोष्ठी	02
18	प्री-खरीफ एवं रबी कार्यशाला	02
19	मृदा स्वास्थ्य शिविर	04
20	मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण	02
21	अन्य	04
	<b>कुल योग</b>	<b>500</b>

## कार्यसूची – 5

### अन्य विषय अध्यक्ष की अनुमति से

क्षेत्रीय समन्वयक, मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष महोदय का सम्बोधन

## कार्यसूची – 6

### धन्यवाद प्रस्ताव

आज की इस वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में पधारे माननीय अध्यक्ष,  
माननीय मुख्य अतिथि एवं सभी सम्मानित सदस्यों का धन्यवाद।

## अंगीकृत ग्रामों में किये गये विषयवार कार्य

अंगीकृत ग्राम	प्रशिक्षण		प्रदर्शन	परीक्षण	प्रक्षेत्र दिवस	अन्य
	प्रशिक्षण संख्या	लाभार्थी कृषक				
अम्बेडकर ग्राम						
1. रसूलपुर कैली						
2. खड़ौआ	6	62	1			
3. मनकुला	1	20	3			
4. मुडिया राजा						
<b>कुल योग</b>	<b>7</b>	<b>82</b>	<b>4</b>			
अन्य अंगीकृत ग्राम						
1. फत्तेपुर नत्था	13	193	11	02	02	—
2. भूड़ मरेशी	04	81	5	3	—	—
3. रामनगर गंगपुर	3	25	12	1	—	—
4. खानपुर	4	81	12	—	—	—
5. सादकपुर	2	40	4	—	—	—
<b>कुल योग</b>						